वर्ष : 34 | अंक : 277 | मुंबई, रविवार, 14 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

मनीषा कायंदे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बताया 'हाउसिंग मैन ऑफ महाराष्ट्र'

शीतकालीन अधिवेशन के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने आवास क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन फैसलों को आम लोगों के घर का सपना साकार करने वाला बताते हुए शिवसेना विधायक मनीषा कायंदे ने विधान परिषद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की खुलकर सराहना की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री शिंदे को 'हाउसिंग मैन ऑफ महाराष्ट्र' की उपाधि देने की बात कही।

शिकायत निवारण के लिए बढ़ेंगी एजीआरसीएस कमेटियां

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि स्लम रीडेवलपमेंट से जुड़े करीब 2103 मामले अभी लंबित हैं। इन मामलों के त्वरित निपटारे के लिए एपेक्स ग्रीवांस रिड्रेसल कमेटियों (AGRCs) की संख्या बढ़ाई जाएगी। बीएमसी के लीज प्लॉट पर बने मनपा कर्मचारियों के आवासों के लिए भी एक नई योजना लाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही म्हाडा की ओसीएस अभय योजना को एक साल का विस्तार दिया गया है।

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

झोपड़पट्टीवासियों के अच्छे दिन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब 50 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले प्लॉट पर क्लस्टर स्लम रीडेवलपमेंट योजना लागू की जाएगी। पहले चरण में मुंबई के 17 बड़े इलाकों को इस योजना के लिए चुना गया है। यह घोषणा शनिवार को नागपुर में विधान परिषद के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की।

- मुंबई में लागू होगी 'क्लस्टर रीडेवलपमेंट' योजना
- पहले चरण में 17 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

एंटॉप हिल से भांडुप तक बदलेगी तस्वीर

योजना के तहत जिन इलाकों को पहले चरण में शामिल किया गया है, उनमें एंटॉप हिल, कृष्णा नगर और केतकी पाड़ा (बोरीवली), गोपीकृष्ण नगर (दहिसर), ओशिवारा, गोवंडी, चीता कैंप (ट्रॉम्बे), चेंबूर, टैगोर नगर (विक्रोली), विक्रोली पार्क साइट और भांडुप जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सरकार के अनुसार इससे झोपड़पट्टियों में रहने वाले लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

छोटे एसआरए की जगह पूरे इलाके का होगा विकास

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि अब छोटे-छोटे एसआरए प्रोजेक्ट्स की बजाय पूरे इलाके को एक साथ विकसित किया जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने 7 अक्टूबर 2025 को इस योजना को मंजूरी दी थी, जबकि 13 नवंबर 2025 को इसका शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

सरकारी एजेंसियों के साथ जॉइंट वेंचर मॉडल

क्लस्टर रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को एमएमआरडीए, सिडको, एमआईडीसी, एमएसआरडीसी, म्हाडा और बीएमसी जैसी सरकारी एजेंसियों के सहयोग से जॉइंट वेंचर मॉडल पर लागू किया जाएगा। दूसरे चरण में और भी क्षेत्रों को इस योजना में शामिल किया जाएगा।

एसआर अभय योजना को दिसंबर 2026 तक बढ़ाया

झोपड़ियों की खरीद-बिक्री और ट्रांसफर से जुड़ी तकनीकी परेशानियों को देखते हुए सरकार ने एसआर अभय योजना को दिसंबर 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया है। इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी, जिनके नाम पहले फाइनल अपेंडिक्स-2 में शामिल नहीं हो पाए थे।

महाराष्ट्र में बनेगा राज्य स्तरीय 'हाउसिंग स्टॉक'

पुराने पात्र लाभार्थियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराने और नई परियोजनाओं के लिए पर्याप्त संख्या में घर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर 'हाउसिंग स्टॉक' (आवास भंडार) के निर्माण की घोषणा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में की। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने बताया कि महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई में वन क्षेत्र, मैंग्रोव, सीआरज़ेड (तटीय विनियमन क्षेत्र) जैसे संवेदनशील इलाकों में मूल स्थल पर पुनर्विकास संभव नहीं है। इसके साथ ही सड़क चौड़ीकरण, मेट्रो, जलापूर्ति और मल-निस्सारण जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) के पुनर्वास हेतु बड़ी संख्या में आवास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गिरणी कामगार, डब्बेवाले, माथाड़ी कामगार सहित समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्गों को आवास उपलब्ध कराने की नीति अपनाई है। इन सभी वर्गों को समय पर घर देने के लिए राज्य स्तर पर बड़े पैमाने पर हाउसिंग स्टॉक तैयार करना आवश्यक है।

झोपड़ीधारकों को मिलेगा मालिकाना हक

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के झोपड़पट्टी वासियों के लिए बड़ी घोषणा की है। झोपड़ों में रहने वालों को अब मालिकाना हक के पट्टे देने का ऐलान किया गया है. इससे कुल 2.5 लाख लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि पिछले 30-40 वर्षों से लगातार मांग हो रही थी कि झोपड़ा वासियों को मालिकाना हक के पट्टे मिलें। साल 2014 में जब मैं मुख्यमंत्री था, तब कुछ फैसले लिए गए थे तब भी पट्टे बांटने का काम शुरू हो गया था। लेकिन साल 2019 के बाद यह पूरी तरह से बंद हो गया था। अब हमने सारी रुकावटें दूर कर दी हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार शनिवार को एक हजार लोगों को मालिकाना हक के पट्टे दिए गए। हमने नागपुर मॉडल तैयार किया है। हमारी सरकार ने पूरे महाराष्ट्र के लिए इसका जीआर लागू कर दिया है। यदि किसी के पास कच्चा घर है, तो पक्का घर बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना से आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके 50 हजार लाभार्थी होंगे और अब तक 25 हज़ार बन चुके हैं। इसके लिए अलग-अलग प्रक्रिया हैं और यह चल रही है।

-पेज 3 भी देखें

ब्रीफ न्यूज़

आज मुंबई आ रहे हैं स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी, बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई। अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के रविवार को मुंबई दौरे को देखते हुए शहर की पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं और अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के भीतर पानी की बोतलें, धातु की वस्तुएं और सिक्के ले जाने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ने कहा कि इनके साथ ही भीड़ पर नजर रखने के लिए 'वॉच टावर' भी लगाए जाएंगे। पुलिस ने कहा कि किसी भी तरह की भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और शनिवार को कोलकाता में मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक वाला विधेयक पेश करेगी सरकार

नई दिल्ली। विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्व-शासित बनने के लिए एकल नियामक विधेयक सरकार अगले सप्ताह संसद में पेश करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूजीसी और एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित करने वाले इस विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विधेयक जिसे पहले भारत का उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) विधेयक नाम दिया गया था, अब उसे विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक नाम दिया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में एकल उच्च शिक्षा नियामक को प्रस्ताव किया गया था। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) का स्थान लेगा।

एमएलसी को बदनाम करने में पत्रकारों के लिए जेल की सिफारिश

नागपुर। महाराष्ट्र विधान परिषद की विशेष विशेषाधिकार समिति ने एमएलसी अमोल मितकरी को बदनाम करने के आरोप में चार पत्रकारों को पांच दिन की जेल की सजा देने की सिफारिश की है। समिति का आरोप है कि इन पत्रकारों ने उनके खिलाफ झूठी और मनगढ़ंत खबरें प्रसारित कीं। समिति के अध्यक्ष प्रसाद लाड ने शनिवार को विधान परिषद को बताया कि 'सत्य लाढा' नामक यूट्यूब चैनल के जरिए अमोल मितकरी की सार्वजनिक छवि खराब करने के उद्देश्य से भ्रामक और तथ्यहीन रिपोर्टें चलाई गईं।

महाराष्ट्र पुलिस अब एआई से पकड़ेगी साइबर क्रिमिनल

- महाराष्ट्र पुलिस ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर बनाया MahaCrimeOS AI
- जल्द हर पुलिस स्टेनशन में होगा तैनात

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म MahaCrimeOS AI विकसित किया है। इस तकनीक के जरिए अब साइबर अपराधों की जांच और रोकथाम को और मजबूत किया जाएगा। राज्य के सभी 1100 पुलिस स्टेशनों में इस AI सिस्टम को लागू करने की योजना है। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, MahaCrimeOS AI को नागपुर के 23 पुलिस स्टेशनों में सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। यह सिस्टम पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराध के मामलों में केस दर्ज करने से लेकर जांच और सुराग तलाशने तक हर चरण में मदद कर रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट के AI 'कोपायलट' की तरह करेगा काम

एक ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक, MahaCrimeOS AI को माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री टेक्नोलॉजी की मदद से सॉफ्टवेयर कंपनी CyberEye ने राज्य सरकार के विशेष प्रोजेक्ट MARVEL के तहत विकसित किया है। यह Azure OpenAI सर्विस पर आधारित है और पुलिस अधिकारियों के लिए माइक्रोसॉफ्ट के AI 'कोपायलट' की तरह डिजिटल सहायक के रूप में काम करता है।

केस बनाने से लेकर सुराग खोजने तक ऑटोमेशन

इस प्लेटफॉर्म की मदद से केस फाइल करना, अहम जानकारियां निकालना, सबूतों का विश्लेषण और संदर्भ के अनुसार कानूनी सलाह देना आसान हो जाता है। बैंक स्टेटमेंट, सोशल मीडिया स्क्रीनशॉट जैसे डिजिटल सबूत अपलोड करने पर AI उन्हें कुछ ही मिनटों में प्रोसेस कर फाइल कर देता है। MahaCrimeOS AI से मैन्युअल डेटा एंट्री का बोझ काफी कम होगा। इससे पुलिस अधिकारियों का समय बचेगा और वे जांच पर ज्यादा फोकस कर सकेंगे। यह सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है।

AI को लेकर मुख्यमंत्री का विजन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जनता की भलाई के लिए नैतिक और जिम्मेदार AI का उपयोग सरकार की प्राथमिकता है। MARVEL प्लेटफॉर्म का उद्देश्य वैश्विक डीप-टेक लीडर्स के साथ साझेदारी कर अत्याधुनिक तकनीक को शासन और सुरक्षा से जोड़ना है। पुलिस अधिकारियों के लिए डिजिटल सहायक के रूप में काम करने वाला यह AI प्लेटफॉर्म भारत में साइबर अपराध से निपटने के तरीकों को बदल सकता है। इससे न सिर्फ पुलिस का काम आसान होगा, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा भी और मजबूत होगी।

पुणे जमीन विवाद

सौदे में रजिस्ट्रार की लापरवाही : अजित पवार

भूमि सौदे में गलत दस्तावेजों का पंजीकरण नहीं होना चाहिए

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में चर्चित पुणे जमीन विवाद मामले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार पवार ने अपना रुख साख कर दिया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि जो अधिकारी दस्तावेज रजिस्टर करने के लिए जिम्मेदार थे, उन्हें ऐसे समझौते स्वीकार नहीं करने चाहिए थे जो कानून के खिलाफ हों और संबंधित पक्षों को स्पष्ट रूप से जानकारी देनी चाहिए थी। यह बयान उनके बेटे पार्थ पवार के मामले में आया है।

संजय राउत ने उठाए सवाल

इस प्रकरण को लेकर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता संजय राउत ने अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने प्रभावशाली उपमुख्यमंत्री के खिलाफ कोई राजस्व अधिकारी सवाल उठाने की हिम्मत कैसे कर सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष की मुख्य सचिव को कड़ी चेतावनी

एजेंसी | मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने राज्य के मुख्य सचिव को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन के समाप्त होने से पहले सभी ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के जवाब नहीं आए, तो वे मुख्य सचिव के खिलाफ अविश्वास (विशेषाधिकार हनन) प्रस्ताव लाएंगे।

- शीतकालीन अधिवेशन में ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के जवाब न मिलने पर अविश्वास प्रस्ताव लाने का ऐलान
- अधिवेशन खत्म होने से पहले जवाब नहीं आए तो होगी कार्रवाई

विधायकों के मुद्दों की अनदेखी पर सदन में नाराजगी

नागपुर में चल रहे विधानमंडल के शीतकालीन अधिवेशन के दौरान भाजपा विधायक ने शनिवार को सदन में कहा कि अधिकारी विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर ध्यान नहीं देते। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं मेहनत से सदन में रखते हैं, लेकिन न तो उन पर कार्रवाई होती है और न ही समय पर जवाब मिलता है। इससे विधायकों को अपने क्षेत्र में जनता के सामने जवाब देना मुश्किल हो जाता है।

सत्ता और विपक्ष-दोनों ने जताई नाराजगी

इससे पहले भी विधानसभा में विपक्षी विधायकों के साथ-साथ सत्तापक्ष के विधायकों ने मुख्य सचिव, सचिवों और अन्य अधिकारियों के रवैये को लेकर शिकायतें की थीं। इन्हीं कारणों से विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पहले से ही नाराज बताए जा रहे थे।

बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामले में सुनवाई से इनकार

मुंबई/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में शिवसेना के पूर्व नेता के बेटे मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। न्यायूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने इस बात पर गौर किया कि आरोपी एक अमीर परिवार से ताल्लुक रखता है और उसके पिता राजेश शाह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट से जुड़े रहे हैं। पीठ ने शुक्रवार को जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि उसने अपनी मर्सिडीज कार खड़ी की, बीएमडब्ल्यू कार निकाली, टक्कर मारी और फरार हो गया। उसे कुछ समय अंदर (जेल के) रहने दें। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। अदालत का रुख भांपते हुए शाह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने याचिका वापस ले ली।

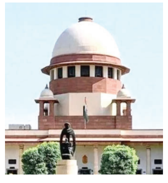

राजकुमार गोयल बनेंगे मुख्य सूचना आयुक्त

- आठ नए सूचना आयुक्त भी नियुक्त किए जाएंगे
- राष्ट्रपति दिलाएंगी पद और गोपनीयता की शपथ

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व कानून एवं न्याय सचिव राज कुमार गोयल को देश का नया मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) नियुक्त किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। गोयल का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति द्वारा सुझाया गया था। राज कुमार गोयल 1990 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। वे 31 अगस्त को कानून एवं न्याय मंत्रालय के अंतर्गत न्याय विभाग में सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इससे पहले उन्होंने गृह मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) के रूप में भी कार्य किया है।

हीरालाल सामरिया के कार्यकाल के बाद खाली हुआ था पद

गौरतलब है कि वर्तमान मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया का कार्यकाल 13 सितंबर को पूरा होने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। इसके बाद चयन समिति ने राज कुमार गोयल के नाम की सिफारिश की।

गडकरी की महाराष्ट्र को सौगात

- 1.5 लाख करोड़ की सड़क निर्माण परियोजनाओं को दी मंजूरी

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में सड़क परियोजनाओं के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा शनिवार को विधान भवन में विधानसभा परिषद के शताब्दी समारोह के दौरान की गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने बताया कि ये परियोजनाएं राष्ट्रीय राजमार्ग विकास के तहत चल रही परियोजनाओं का हिस्सा हैं और 3 महीने के भीतर शुरू हो जाएंगी।

इन परियोजनाओं को दी मंजूरी

प्रमुख परियोजनाओं में पुणे-संभाजीनगर एक्सप्रेसवे और पुणे में एलिवेटेड रोड का निर्माण शामिल है। 16,318 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेसवे का निर्माण महाराष्ट्र राज्य अवसंरचना विकास निगम (MSIDC) द्वारा किया जाएगा और इस संबंध में एक MOU पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

राहत | दिल्ली एम्स के नेतृत्व में सबसे अत्याधुनिक ब्रेन स्टेंट का ट्रायल सफल

ब्रेन स्टेंट के जरिए होगा लकवा का इलाज

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली एम्स के नेतृत्व में लकवा (ब्रेन स्ट्रोक) के इलाज के लिए एक अमेरिकी कंपनी द्वारा निर्मित सबसे अत्याधुनिक ब्रेन स्टेंट का ट्रायल पूरा कर लिया गया है। ट्रायल में यह स्टेंट सुरक्षित और लकवा के इलाज में प्रभावी पाया गया है। ट्रायल का नतीजा सामने आने के बाद सीडीएसओ (केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन) ने देश में लकवा के मरीजों के इलाज में इस स्टेंट का इस्तेमाल शुरू करने और देश में ही इसे बनाने की स्वीकृति दे दी है। देश में इसका निर्माण होने से यह सस्ता हो सकेगा। इससे लकवा मरीजों को राहत मिलेगी।

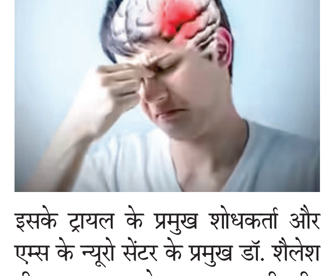

इसके ट्रायल के प्रमुख शोधकर्ता और एम्स के न्यूरो सेंटर के प्रमुख डॉ. शैलेश बी गायकवाड़ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस ट्रायल में एम्स सहित देश के पांच अस्पताल शामिल थे।

मस्तिष्क में दूर किया ब्लॉकेज

पिछले वर्ष इस ग्रासरूट ट्रायल की शुरुआत की गई थी। इसके तहत 15 अगस्त 2024 को एम्स में सबसे पहले एक मरीज को अमेरिकी कंपनी का सबसे अत्याधुनिक स्टेंट लगाया गया था। इसके बाद पांचों अस्पतालों में लकवा से पीड़ित कुल 32 मरीजों को यह स्टेंट डालकर मस्तिष्क की धमनियों का ब्लॉकेज दूर किया गया।

छह घंटे में स्टेंट डालने से परिणाम होता है बेहतर

डॉ. गायकवाड़ ने बताया कि देश में 17 लाख लोक लकवा से पीड़ित होते हैं। पश्चिमी देशों की तुलना में यहां कम उम्र में लोगों को यह बीमारी होती है। इसमें से दस प्रतिशत मरीजों को ही ठीक से इलाज मिल पाता है। 90 प्रतिशत मरीजों को ठीक से इलाज नहीं मिल पाता। मस्तिष्क की धमनियों में ब्लॉकेज होने के कारण लकवा होने पर स्टेंट डालकर ब्लॉकेज को दूर कर दिया जाता है। लकवा होने के 24 घंटे में स्टेंट डालना जरूरी होता है। लकवा होने के छह घंटे के भीतर स्टेंट डालने से इलाज का परिणाम बेहतर होता है।

खराब गाड़ियों से ट्रैफिक जाम, मुश्किलें तमाम...

ठाणे में ट्रैफिक जाम की बड़ी वजह बन रहीं खराब गाड़ियां

एक साल में 2,079 वाहनों को क्रेन से टो करना पड़ा, सबसे ज्यादा कॉल कासारवडवली से

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

शहर में ट्रैफिक जाम के लिए भले ही खराब सड़कें, गड्ढे और मेट्रो व सड़क चौड़ीकरण जैसे विकास कार्यों को जिम्मेदार माना जाता हो, लेकिन सड़कों पर फंसने वाली भारी और हल्की गाड़ियां भी जाम की बड़ी वजह बन रही हैं। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में पिछले एक साल के दौरान 2,079 खराब वाहनों को क्रेन की मदद से टो करना पड़ा।

ये इलाके बने गाड़ियों के फंसने के हॉटस्पॉट

- नौपाड़ा डिवीजन : तीनहाथ नाका फ्लाईओवर
- कलवा क्षेत्र : खारेगांव टोल प्लाजा के पास यू-टर्न और खारेगांव कट
- मुंब्रा व कासारवडवली : घाट सेक्शन, यहां से सबसे ज्यादा कॉल
- कोपरी यूनिट : टोल प्लाजा से कोपरी ब्रिज तक
- वागले सब-डिवीजन : कैडबरी फ्लाईओवर और नितिन जंक्शन चढ़ाई
- कपूरबावड़ी : माजीवाड़ा ब्रिज का मुश्किल यू-टर्न
- नारपोली यूनिट : मनकोली-पिंपलेसर पास, काशेली-कल्हेर ब्रिज और कोंगांव क्षेत्र

बढ़ती आबादी और वाहन, सड़कें पड़ रहीं कम

मुंबई के बाद तेजी से विकसित हो रहे ठाणे में आबादी के साथ-साथ वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, जबकि सड़कें ट्रैफिक के दबाव के मुकाबले अपर्याप्त साबित हो रही हैं। गड्ढे, मेट्रो निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और अन्य विकास कार्यों के चलते ट्रैफिक जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है।

नौ सब-डिवीजन में साढ़े तीन हजार से ज्यादा कॉल

ठाणे ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, इस साल नौ सब-डिवीजन से गाड़ियों के सड़कों पर फंसने को लेकर कुल साढ़े तीन हजार से ज्यादा कॉल आए हैं। मुंबई के बाद सबसे अधिक कॉल कासरवडावली यूनिट से दर्ज किए गए, जो ट्रैफिक दबाव का बड़ा संकेत है।

तकनीकी खराबी भी बड़ी वजह

हालांकि कई गाड़ियां एक्सीडेंट के कारण खराब होती हैं, लेकिन लगभग 10 प्रतिशत वाहन फ्यूल खत्म होने, प्रेशर पाइप टूटने या क्लच प्लेट फटने की वजह से फंस जाते हैं। वहीं करीब 5 प्रतिशत वाहन टायर फटने के कारण जाम की स्थिति पैदा करते हैं।

एक साल में 1,847 ट्रक और 232 बसें टो

1 जनवरी 2025 से 12 दिसंबर 2025 के बीच नौ सब-डिवीजन में गाड़ियों के खराब होने को लेकर 2,754 कॉल दर्ज की गईं। इनमें से कुल 2,079 गाड़ियों को क्रेन से टो किया गया, जिनमें 1,847 ट्रक और मल्टी-एक्सल वाहन तथा 232 बसें शामिल हैं। ट्रांसपोर्ट विभाग के पास अपनी क्रेन सुविधा नहीं होने के कारण महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MSRDC) की क्रेन का उपयोग किया जाता है।

ट्रैफिक पुलिस के सामने दोहरी चुनौती

सड़कों पर फंसी और दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों की वजह से ट्रैफिक को नियंत्रित करना ट्रैफिक पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इसके साथ ही पुलिस को गर्मी, बारिश और तेज हवा के बीच फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, ग्रीन कॉरिडोर, ऑक्सीजन गैस और अन्य जरूरी सेवाओं की गाड़ियों को रास्ता देने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती है।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री के बयान से महाराष्ट्र सरकार नाराज

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बॉम्बे के नाम को लेकर दिए गए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ी नाराजगी जताई है। राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने शनिवार को विधान परिषद में स्पष्ट किया कि सरकार इस टिप्पणी से खुश नहीं है और इस संबंध में केंद्र सरकार को औपचारिक पत्र भी भेजा गया है। यह बयान शिवसेना (यूबीटी) के सदस्य अनिल परब द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में दिया गया। परब ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे को लेकर केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी से महाराष्ट्र की अस्मिता को ठेस पहुंची है और सरकार को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए। विधान परिषद में जवाब देते हुए मंत्री आशीष शेलार ने कहा महाराष्ट्र सरकार का रुख बिल्कुल स्पष्ट है बॉम्बे नहीं, मुंबई। सरकार इस बयान से न केवल नाराज है, बल्कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्य का पक्ष भी रखा है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में एक

भिवंडी की सब्जी मंडी से हमाल का मोबाइल चोरी

भिवंडी। शहर के पद्मानगर स्थित सब्जी मंडी में चोरी की एक घटना सामने आई है, जहां सब्जी मंडी में आए एक हमाल का मोबाइल फोन अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया। इस संबंध में भिवंडी शहर पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता कैलास गुलाब चौहान (48), पेशे से हमाल और निवासी महाराज होटल परिसर, पद्मानगर हैं, जो 9 दिसंबर की सुबह करीब 7.30 बजे दूध लेने सब्जी मंडी गए थे, तभी भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पैंट की जेब से करीब 8 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चुरा लिया।मोबाइल चोरी का पता चलने के बाद चौहान ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने भिवंडी शहर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मासूम से दुष्कर्म-हत्या का आरोपी गिरफ्तार

पालघर। पालघर जिले में 18 साल पहले पांच साल की मासूम बच्ची के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बच्ची से दुष्कर्म और निर्मम हत्या के आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी वारदात के बाद से लगातार फरार था और लंबे समय तक नेपाल में छिपकर रहा। मिरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस के अनुसार यह सनसनीखेज अपराध वर्ष 2007 में मणिकपुर पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ था। आरोपी की पहचान नंदलाल उर्फ नंदू रामदास विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो घटना के समय 22 वर्ष का था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने 31 मार्च 2007 की रात करीब 11 बजे बच्ची को चॉकलेट देने का लालच देकर अपने साथ ले गया। इसके बाद उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया, बेरहमी से मारपीट की और अंत में गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। अगली सुबह बच्ची का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। एमबीवीवी पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक अविराज कुरहाड़े ने बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपी नेपाल भाग गया था, जहां वह लंबे समय तक छिपा रहा। हाल ही में वह उत्तर प्रदेश लौट आया और सिद्धार्थनगर जिले के खड़दौरी गांव में ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर रहा था। क्राइम डिटेक्शन सेल-2, वसई और स्थानीय पुलिस की समानांतर जांच जारी थी।

टिकट के लिए भाजपा में रिकॉर्ड आवेदन

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

आगामी मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव की तैयारियों के तहत भाजपा ने 11 और 12 दिसंबर को इच्छुक उम्मीदवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी, जिसके तहत टिकट पाने की चाह में कुल 644 लोगों ने आवेदन पत्र भरे।

उम्मीदवार चयन को लेकर पारदर्शी प्रक्रिया

जिलाध्यक्ष दिलीप जैन के अनुसार भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है, इसलिए पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 13 दिसंबर से एक विशेष समिति द्वारा सभी इच्छुक उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए जा रहे हैं।

तीन साल बाद चुनावी सरगर्मी, भाजपा टिकट पर सबसे ज्यादा चर्चा

तीन वर्षों के इंतजार के बाद मनपा चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक गहमागहमी तेज हो गई है। चौपालों और राजनीतिक चर्चाओं में फिलहाल भाजपा उम्मीदवारों को लेकर बहस छिड़ी हुई है। हर कोई भाजपा का टिकट पाने की होड़ में नजर आ रहा है, जिसके चलते रिकॉर्ड संख्या में आवेदन मिलने से पार्टी नेतृत्व के सामने सही उम्मीदवारों के चयन की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि पिछले मनपा चुनाव में विधायक नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में भाजपा ने 61 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार '70 पार' के नारे के साथ कार्यकर्ता उत्साहित हैं, जिससे मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में भाजपा में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। हालांकि, 644 आवेदनों की संख्या यह भी संकेत देती है कि टिकट वितरण के दौरान असंतोष और नाराजगी को संभालना विधायक नरेंद्र मेहता के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पुराने और नए चेहरों में किसे मौका मिलता है।

72 से 74 सीटों का दावा

जिला उपाध्यक्ष शंकर विरकर ने जोश के साथ कहा कि विरोधी चाहे जितना भी झूठ के दम पर प्रयास कर लें, जनता गुमराह नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि जनता का विश्वास भाजपा के साथ है और विधायक नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में पार्टी इस बार 72 से 74 सीटें जीतकर शहर में फिर से कमल खिलाएगी।

कार सवार युवकों पर जानलेवा हमला

40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

नासिक-मुंबई हाईवे पर राजनोली नाका के पास एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां कार से यात्रा कर रहे दो युवकों पर रास्ता रोककर भीड़ ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। कोनगांव पुलिस ने इस मामले में 40 से 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा, अवैध जमावड़ा और तोड़फोड़ सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता कलीम अब्दुल रहमान सैयद (निवासीः मालेगांव) अपने साथी फैजान शाहिद कुरैशी के साथ 12 दिसंबर की रात करीब 8.30 बजे मालेगांव से भिवंडी की ओर जा रहे थे, तभी राजनोली नाका के पास एक सफेद कार ने उनका रास्ता रोका और देखते ही देखते बड़ी भीड़ जमा होकर कार पर हमला करने लगी, जिसमें दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, जांच तेज

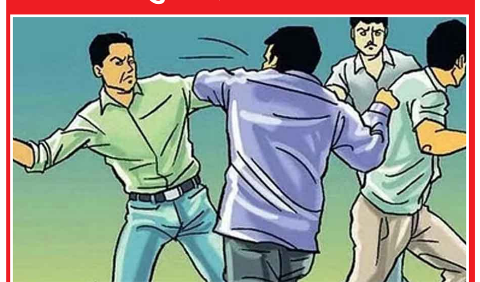

हमले में कलीम सैयद और फैजान कुरैशी को डंडों व अन्य हथियारों से बेरहमी से पीटा गया, जिसके बाद दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। कोनगांव पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इस मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक दिलीप ढुमणे कर रहे हैं।

नवी मुंबई में प्रदूषण नियमों पर सख्ती

18 डेवलपर्स को काम रोकने के आदेश

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) ने हवा और ध्वनि प्रदूषण रोकथाम से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का उल्लंघन करने के आरोप में 18 डेवलपर्स को काम रोकने के आदेश जारी किए हैं। नगर निगम ने बताया कि यह कार्रवाई बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों और निर्माण स्थलों से जुड़ी प्रदूषण संबंधी शिकायतों के बाद की गई है।

1 अगस्त को जारी हुआ SOP, डेवलपर्स को दी गई थी चेतावनी

नगर निगम ने बताया कि कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में 1 अगस्त को प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ा SOP सर्कुलेट किया गया था। इसके बाद 6 नवंबर को एक बैठक आयोजित कर डेवलपर्स और आर्किटेक्ट्स को अनिवार्य नियमों की जानकारी दी गई। इस बैठक में साफ तौर पर कहा गया था कि नियमों का पालन न करने पर जुर्माना और काम रोकने जैसी कार्रवाई की जाएगी। एनएमएमसी टीमों द्वारा बाद में किए गए निरीक्षण में 85 चालू निर्माण प्रोजेक्ट्स में SOP के उल्लंघन पाए गए। इसके बाद 26 नवंबर को संबंधित डेवलपर्स को नोटिस जारी किए गए और नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

निर्माण स्थलों पर प्रदूषण की शिकायतें बनी वजह

एनएमएमसी के अनुसार, कंस्ट्रक्शन साइट्स पर हवा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और ब्लास्टिंग से जुड़ी लगातार शिकायतें मिल रही थीं। हाई कोर्ट ने इन मामलों में सख्त प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद नगर निगम ने SOP तैयार कर उसे लागू किया।

महाराष्ट्र सरकार छापेमारी से जुड़ी जानकारी छिपा रही: कांग्रेस

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने गृह मंत्रालय से पूरे मामले के खुलासे की मांग की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सतारा ज़िले के जावली तालुका स्थित सावरी गाँव में मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा की गई छापेमारी को लेकर राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े हो गए हैं। इस कार्रवाई को लेकर असामान्य गोपनीयता बरती जा रही है। इसी को लेकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने गृह मंत्रालय से पूरे मामले का खुलासा करने की मांग की है।

मुंबई में ड्रग्स तस्करों की गिरफ्तारी से जुड़ा मामला

हर्षवर्धन सपकाल ने बताया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 9 दिसंबर को दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि वे मेफेड्रोन पुणे के विशाल मोरे नामक व्यक्ति से खरीदते थे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने जाल बिछाकर 12 दिसंबर को पिंपरी-चिंचवड़ इलाके से विशाल मोरे को दो किलो मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में विशाल मोरे ने बताया कि वह सातारा ज़िले के जावली तालुका स्थित सावरी गाँव में मेफेड्रोन तैयार करता था। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने सावरी गाँव में छापा मारा, जहाँ एक मवेशियों के गोठे में शेड बनाकर नशीले पदार्थ का निर्माण किया जा रहा था। यह जगह बामणोली निवासी गोविंद शिमकर की बताई गई, जिसे ओंकार दिघे के माध्यम से किराये पर लिया गया था।

तीन बंगाली कामगार गिरफ्तार, लॉज कनेक्शन भी आया सामने

पुलिस ने मौके से तीन कामगारों को गिरफ्तार किया, जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। सपकाल के अनुसार, इन कामगारों के लिए ओंकार दिघे सावरी गाँव के तेजस लॉज से खाना मंगवाता था। यह तेजस लॉज ठाणे के शिवसेना नगरसेवक प्रकाश शिंदे के स्वामित्व में बताया जा रहा है, जिसे डेढ़ महीने पहले शुरू किया गया था और संचालन दरे गाँव के रणजीत शिंदे को सौंपा गया था।कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जिस जगह छापा मारा गया, क्या वह उपमुख्यमंत्री के किसी करीबी या रिश्तेदार की है? क्या वहाँ ड्रग्स की फैक्ट्री चल रही थी, या फिर बोगस नोटों का कारखाना, जादू-टोना या कोई अन्य अवैध गतिविधि? उन्होंने यह भी पूछा कि मुंबई क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी और सातारा ज़िले के पुलिस अधीक्षक अचानक वहाँ क्यों पहुँचे और उन्हें आखिर क्या मिला?

'जय-जय महाराष्ट्र माझा' पर चर्चा हुई तो उद्धव ठाकरे का नक़ाब उतर जाएगा: भाजपा

भाजपा मीडिया प्रमुख नवनाथ बन का तीखा हमला, कांग्रेस और उबाठा गुट पर साधा निशाना

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने शनिवार को उद्धव ठाकरे पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि जिस तरह संसद में 'वंदे मातरम्' पर चर्चा हुई, उसी तरह महाराष्ट्र विधानमंडल में 'जय जय महाराष्ट्र माझा' गीत पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि यह चर्चा होती है, तो संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के दौरान 107 आंदोलनकारियों की हत्या कराने वाली कांग्रेस की गोद में बैठने वाले उद्धव ठाकरे का असली चेहरा सामने आ जाएगा।

विपक्ष के नेता का पद जनता तय करती है: नवनाथ

उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का पद सत्ताधारी नहीं, बल्कि मतदाता तय करते हैं। जनता ने विधानसभा चुनाव में उबाठा गुट को उसकी हैसियत दिखा दी है। 90 सीटों पर चुनाव लड़कर उबाठा गुट को सिर्फ 20 सीटें मिलीं और वे विपक्ष के नेता पद के लिए आवश्यक संख्या भी हासिल नहीं कर सके, इसलिए इस पद पर दावा करना उनका अधिकार नहीं बनता।

संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन का इतिहास आएगा सामने: नवनाथ

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में नवनाथ बन ने कहा कि संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन को कुचलने के लिए तत्कालीन केंद्र और राज्य की कांग्रेस सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए थे, यह इतिहास भी ऐसी चर्चा के जरिए महाराष्ट्र की जनता के सामने आएगा।

'महायुति में कोई नाराज़गी नहीं, एकजुट होकर लड़े जाएंगे चुनाव

नवनाथ बन ने महायुति में मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि गठबंधन के तीनों प्रमुख दल आपस में बैठकर चर्चा करेंगे और आगामी 5 से 6 दिनों में होने वाले स्थानीय स्वराज्य संस्था चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने प्रदूषण और हैंकॉक ब्रिज का उठाया मुद्दा

मुंबई। कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण और लंबे समय से अधूरे पड़े हैंकॉक ब्रिज को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि हैंकॉक ब्रिज को वर्ष 2015 में तोड़ दिया गया था, लेकिन एक दशक बीत जाने के बावजूद अब तक इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। आंशिक रूप से काम होने के बाद भी पुल अधूरा पड़ा है, जिससे रोजाना आने-जाने वाले यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने मांग की कि

जनता की सुविधा को देखते हुए इस पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। अमीन पटेल ने मुंबई शहर में लगातार बढ़ते प्रदूषण स्तर पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शहर में वायु प्रदूषण खतरनाक और असामान्य स्तर तक पहुंच चुका है, जो आम नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

मनपा चुनाव की तैयारी तेज

सोमवार को हो सकती है आदर्श आचार संहिता की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

एमएमआर क्षेत्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पनवेल सहित राज्य की सभी महानगरपालिकाओं के आगामी चुनावों को लेकर सोमवार को आदर्श आचार संहिता घोषित किए जाने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग एक पत्रकार परिषद आयोजित कर चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा कर सकता है।

आचार संहिता लागू होते ही प्रशासनिक फैसलों पर लगेगी रोक

सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही आदर्श आचार संहिता लागू होगी, वैसे ही महानगरपालिका क्षेत्रों में नई योजनाओं की घोषणा, भूमिपूजन, तबादले, नियुक्तियां और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी निर्णयों पर तत्काल प्रभाव से रोक लग जाएगी। इसे लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क हो गया है और चुनावी तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचाया जा रहा है।

राजनीतिक दलों में बढ़ेगी चुनावी हलचल

आचार संहिता की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है और मनपा चुनाव को लेकर मैदान में उतरने की तैयारी तेज कर दी है। संभावित उम्मीदवारों के नामों पर भी मंथन शुरू हो गया है।

बॉम्बे जिमखाना के 150 वर्ष पूरे, स्मारक डाक टिकट जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक बॉम्बे जिमखाना ने अपनी 150 वर्ष की खेल यात्रा (1875-2025) के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह विशेष डाक टिकट भारत सरकार के संचार मंत्री एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने राज्यसभा सांसद मिलिंद देवरा, नवी मुंबई क्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल सुचिता जोशी और बॉम्बे जिमखाना के अध्यक्ष संजीव सरन मेहरा की उपस्थिति में जारी किया।

भारतीय खेल इतिहास में जिमखाना की अमिट छाप

19 जून 1875 को स्थापित बॉम्बे जिमखाना ने डेढ़ सदी से भारतीय खेल जगत को दिशा दी है। इसे रॉयल इंजीनियर्स के कैप्टन ई.एल. मरयात और लेफ्टिनेंट सी.एल. यंग की दूरदृष्टि का परिणाम माना जाता है। यह भारत का पहला बहु-खेल पारिस्थितिकी तंत्र बना, जिसने खेल प्रतिभा, सौहार्द और सामुदायिक सेवा को एक मंच पर जोड़ा।

डाक टिकट इतिहास की कहानी कहते हैं: सिंधिया

स्मारक डाक टिकट के विमोचन पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि डाक टिकट केवल संग्रह की वस्तु नहीं, बल्कि देश के इतिहास को संजोने का माध्यम हैं। बॉम्बे जिमखाना के 150 वर्ष पूरे होने पर जारी यह टिकट उस संस्था को सम्मान है जिसने भारत की खेल संस्कृति को आकार दिया। उन्होंने इसे राष्ट्रीय गौरव और प्रेरणा का प्रतीक बताया। राज्यसभा सांसद मिलिंद देवरा ने कहा कि बॉम्बे जिमखाना की यात्रा मुंबई शहर की प्रगति को दर्शाती है। ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी से लेकर विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करने तक, जिमखाना भारतीय खेल भावना का प्रतीक रहा है। वहीं, अध्यक्ष संजीव सरन मेहरा ने कहा कि 150 वर्ष गौरव के साथ जिम्मेदारी का भी प्रतीक हैं और क्लब भविष्य के चैंपियनों को गढ़ने के अपने संकल्प पर कायम रहेगा।

खेल विरासत का जीवंत केंद्र बना बॉम्बे जिमखाना

बॉम्बे जिमखाना क्रिकेट, हॉकी, टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स सहित कई खेलों का केंद्र रहा है और सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, दिलीप वेंगसरकर, महेश भूपति जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से जुड़ा रहा है। 1933 में भारत के पहले घरेलू टेस्ट मैच की मेजबानी से लेकर हाल के वर्षों में पोलो के पुनरुद्धार तक, जिमखाना आज भी मुंबई के खेल और सांस्कृतिक परिदृश्य के केंद्र में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है।

मालवणी झुग्गी पुनर्विकास के लिए 'क्लस्टर मॉडल' अपनाने के निर्देश

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सर्वे पूरा कर संयुक्त रिपोर्ट देने को कहा

दीपक पवार | मुंबई नागपुर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मालवणी इलाके में झुग्गियों के पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) के लिए 'क्लस्टर मॉडल' अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अंबुजवाड़ी, दादासाहेब गायकवाड़ नगर और राजीव गांधी नगर सहित मालवणी क्षेत्र की सभी झुग्गियों का शेष सर्वे जल्द पूरा करने को भी कहा है।

म्हाडा और एसआरए के साथ होगा संयुक्त सर्वे

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि म्हाडा और स्लम रीडेवलपमेंट अथॉरिटी (एसआरए) क्षेत्रवार सर्वे करें और सभी झुग्गियों का सर्वे पूरा होने के बाद संबंधित एजेंसियां एक संयुक्त रिपोर्ट पेश करें। जहां कानूनी अड़चनें हैं, वहां अलग से कार्रवाई की जाए, जबकि विकास कार्य के लिए उपयुक्त इलाकों को पुनर्विकास में प्राथमिकता दी जाए।

क्लस्टर मॉडल से तेज होगा पुनर्विकास

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यदि क्लस्टर मॉडल के तहत परियोजना विकसित की जाती है, तो कम समय में पूरे मालवणी इलाके का व्यापक पुनर्विकास संभव होगा।

उच्चस्तरीय बैठक में कई अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में हाउसिंग राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, विधायक असलम शेख, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (हाउसिंग) असीम कुमार गुप्ता, हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड के चीफ ऑफिसर मिलिंद बोरिकर और स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी के सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर उपस्थित थे। मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में हिस्सा लिया। परियोजना पर प्रेजेंटेशन MHADA के वाइस चेयरमैन एवं सीईओ संजीव जायसवाल ने दिया।

मालवणी रीडेवलपमेंट स्कीम की जानकारी

मालवणी इलाके में ज़मीन का एरिया 641 एकड़ है। इसमें राज्य सरकार, MHADA, म्युनिसिपल और प्राइवेट ज़मीन शामिल है, जिसमें से 565.98 एकड़ में स्लम हैं। साथ ही, 75.02 एकड़ खुली ज़मीन है। इस इलाके में स्लम की अनुमानित संख्या 14 हज़ार है। इलाके के रीडेवलपमेंट के बाद यह इलाका स्लम-फ्री हो जाएगा।

राज ठाकरे ने लापता बच्चों के मामले पर फडणवीस को लिखा पत्र

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य में लापता बच्चों के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर गहरी चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। ठाकरे ने नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि महाराष्ट्र में वर्ष 2021 से 2024 के बीच लापता बच्चों की संख्या में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बेहद चिंताजनक है।

राज ठाकरे ने पत्र में कहा कि कई मामलों में छोटे बच्चों का अपहरण कर उनसे जबरन भीख मंगवाई जाती है, लेकिन इस संगठित अपराध से जुड़े अंतर-राज्यीय गिरोहों के खिलाफ सरकार की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के लापता होने के बाद भले ही एफआईआर दर्ज की जाती हो, लेकिन हजारों मामलों की पुलिस में शिकायत ही नहीं होती। ठाकरे ने सवाल उठाया कि क्या सरकार और विपक्ष को राज्य विधानमंडल के मौजूदा सत्र में इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है।

'हाउसिंग मैन ऑफ महाराष्ट्र' बने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

- शीतकालीन अधिवेशन में आवास को लेकर किए कई ताबड़तोड़ फैसले

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शीतकालीन अधिवेशन के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने आवास क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन फैसलों को आम लोगों के घर का सपना साकार करने वाला बताते हुए शिवसेना विधायक मनीषा कायंदे ने विधान परिषद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की खुलकर सराहना की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री शिंदे को 'हाउसिंग मैन ऑफ महाराष्ट्र' की उपाधि देने की बात कही।

पगड़ी और सेस इमारतों के पुनर्विकास पर ऐतिहासिक निर्णय

विधान परिषद में बोलते हुए मनीषा कायंदे ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पगड़ी और सेस इमारतों के पुनर्विकास के लिए अलग नीति बनाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। मुंबई में 19 हजार से अधिक सेस और पगड़ी इमारतें हैं, जिनसे जुड़े लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान इन निर्णयों से संभव होगा।

फनल ज़ोन और समूह विकास को मिलेगा बढ़ावा

मनीषा कायंदे ने बताया कि मुंबई में फनल ज़ोन की वजह से वर्षों से अटके पुनर्विकास प्रोजेक्ट्स को गति देने के लिए नई योजना की घोषणा की गई है। इसके अलावा समूह विकास को बढ़ावा देकर शहरी आवास की बड़ी समस्या के समाधान की कोशिश की जा रही है।

झोपड़पट्टी पुनर्विकास से लाखों को राहत

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने 50 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल वाली निजी, सरकारी और अर्ध-सरकारी जमीनों पर एक साथ झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना लागू करने की घोषणा की है। पहले चरण में मुंबई के 17 प्रमुख स्थानों का चयन किया गया है। इस फैसले से मुंबई के लाखों झोपड़पट्टीवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

सिडको घरों की कीमतों में 10 प्रतिशत कटौती

विधान परिषद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नवी मुंबई में सिडको की आगामी लॉटरी में विभिन्न श्रेणियों के घरों की कीमतों में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा की। इस फैसले के बाद सिडको के घर पहले की तुलना में सस्ते होंगे और मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए घर खरीदना आसान होगा।

'मेट्रो मैन' की तरह 'हाउसिंग मैन' की पहचान

मनीषा कायंदे ने कहा कि जिस तरह देवेंद्र फडणवीस को 'मेट्रो मैन' के रूप में जाना जाता है, उसी तरह आवास से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने वाले एकनाथ शिंदे को अब 'हाउसिंग मैन ऑफ महाराष्ट्र' कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक लिए गए साहसिक फैसलों से राज्य में वर्षों बाद समग्र आवास नीति लागू होने जा रही है।

विधानसभा में अमीन पटेल ने मुंबई की बिजली व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

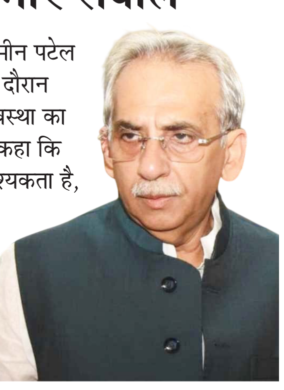

मुंबई। कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने आज विधानसभा सत्र के दौरान मुंबई की जर्जर बिजली व्यवस्था का गंभीर मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिजली एक बुनियादी आवश्यकता है, लेकिन इसके बावजूद बेस्ट (BEST) द्वारा भूमिगत केबल में शॉर्ट सर्किट की समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय अस्थायी "जंपिंग केबल" व्यवस्था पर निर्भर रहना बेहद चिंताजनक है। यह न केवल खराब योजना को दर्शाता है, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा करता है।

दक्षिण मुंबई में बिल भुगतान केंद्र बंद होने से परेशानी

अमीन पटेल ने दक्षिण मुंबई में बिजली बिल भुगतान संग्रह केंद्रों को बंद किए जाने पर भी कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय निवासियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने बताया कि इस संबंध में कई बार बैठकें और ज्ञापन दिए जाने के बावजूद समस्या का कोई समाधान नहीं निकला है। उन्होंने मांग की कि बेस्ट में जवाबदेही तय की जाए और मुंबई की बिजली व्यवस्था के लिए तत्काल स्थायी समाधान लागू किए जाएं।

2014 लोकसभा चुनाव मामले में अजित पवार को राहत

- बारामती की अतिरिक्त सत्र अदालत ने मजिस्ट्रेट का आदेश किया रद्द
- मतदाताओं को धमकाने के आरोप में चल रही थी आपराधिक प्रक्रिया

मुंबई/बारामती। 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़े एक पुराने मामले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बड़ी राहत मिली है। बारामती की अतिरिक्त सत्र अदालत ने निचली अदालत (न्यायिक मजिस्ट्रेट) द्वारा अजित पवार के खिलाफ जारी की गई आपराधिक प्रक्रिया के आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश कानून की दृष्टि से टिकाऊ नहीं है और उसमें न्यायिक सोच-समझ का अभाव नजर आता है।

वीडियो-ऑडियो सबूतों पर भी उठाए गए सवाल

प्रशांत पाटिल ने यह भी बताया कि मजिस्ट्रेट ने पहले वीडियो और ऑडियो सबूतों को अस्पष्ट मानते हुए जांच का आदेश दिया था, लेकिन जांच के बाद कोई नया या ठोस प्रमाण सामने नहीं आया।

अजित पवार की ओर से सत्र अदालत में दी गई चुनौती

अजित पवार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत पाटिल ने सत्र अदालत में इस आदेश को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी कि मजिस्ट्रेट ने बिना पर्याप्त कारण बताए और बिना ठोस जांच के प्रक्रिया जारी कर दी, जो कानून के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आदेशों में स्पष्ट कारण और न्यायिक विवेक का होना जरूरी है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 16 अप्रैल 2014 को बारामती में आयोजित एक चुनावी सभा से जुड़ा है। उस समय आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सुरेश खोपड़े ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि सभा के दौरान अजित पवार ने मतदाताओं को धमकाते हुए कहा था कि अगर उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को वोट नहीं दिया गया तो कुछ गांवों की पानी आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। इसी शिकायत के आधार पर मजिस्ट्रेट अदालत ने अजित पवार के खिलाफ आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया था।

सार्वजनिक सूचना

ए.सी. 25 केवी ट्रैक्शन का प्रावधान – "सड़क उपयोगकर्ताओं हेतु चेतावनी"

सार्वजनिक जनहित में यह सूचित किया जाता है कि पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत नीचे उल्लिखित पूर्ण हो चुके खंड पर 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन तारों में दिनांक **18.12.2025** को या उसके बाद विद्युत प्रवाहित (ऊर्जीकृत) कर दी जाएगी। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय जीवित (Live) माना जाएगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति इन ओवरहेड लाइनों के निकट न जाए अथवा उनके आसपास कोई कार्य न करे।

खंड	तिथि
मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल–बोरीवली ब्रॉड गेज (B.G.) खंड में कांदिवली–बोरीवली के बीच नई 6वीं बी.जी. लाइन, कि.मी. 30.540 से 33.750 तक।	18.12.2025 को या उसके बाद (खंड पूर्व से विद्युतीकृत है; केवल कांदिवली–बोरीवली के बीच 6वीं लाइन का उद्घाटन किया जा रहा है।)

सार्वजनिक जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल–बोरीवली ब्रॉड गेज सेक्शन में कांदिवली–बोरीवली के बीच **नई बी.जी. 6वीं लाइन पर, कि.मी. 30.540 से कि.मी. 33.750 तक, 25 केवी ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन तार को दिनांक 18.12.2025 को या उसके बाद ऊर्जीकृत (चार्ज)** किया जाएगा।

इस तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय चालू (लाइव) माना जाएगा। अत्यधिक ऊँचाई वाले भार/वाहनों को जीवित ट्रैक्शन तार (कॉन्टैक्ट वायर) के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से रोकने के उद्देश्य से सभी लेवल क्रॉसिंग पर ऊँचाई गेज लगाए गए हैं। इन गेजों के अनुसार सड़क स्तर से अधिकतम स्वीकृत ऊँचाई 4.78 मीटर है, जबकि लेवल क्रॉसिंग पर कॉन्टैक्ट वायर की ऊँचाई रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर होगी।

अतः जनता को सूचित किया जाता है कि वाहन में भार लादते समय उपर्युक्त निर्धारित ऊँचाई का पालन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सड़क वाहनों पर लदा भार किसी भी परिस्थिति में ऊँचाई गेज का उल्लंघन न करे।

अत्यधिक ऊँचाई वाले भार के खतरे: 1. ऊँचाई गेज को क्षति पहुँचने का खतरा तथा परिणामस्वरूप सड़क एवं रेलवे लाइन में अवरोध। 2. वाहन पर ले जाए जा रहे सामग्री/उपकरण को नुकसान। 3. कंडक्टर के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग लगने का खतरा एवं जान का जोखिम।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
0889
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

शिवराज पाटिल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

- मौके पर मौजूद रहे कई दिग्गज नेता

मुंबई/लातूर। पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल का 90 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया, जिसके बाद कांग्रेस के इस दिग्गज नेता का अंतिम संस्कार शनिवार को महाराष्ट्र में उनके गृह जिले लातूर में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान मौके पर कई बड़े नेता मौजूद थे। मौके पर मौजूद लोगों में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे आदि मौजूद थे।

लिंगायत रस्मों के साथ हुए अंतिम संस्कार

लिंगायत समुदाय के एक जाने-माने सदस्य, पाटिल को लातूर से छह किमी दूर वरवंती गांव में उनके खेत में बैठे हुए, ध्यान की मुद्रा में दफनाया गया। इस दौरान उन्हें बंदूक की सालामी भी दी गई। बता दें की यह लिंगायत रस्म उनके इस विश्वास से शुरू होती है कि मरने वाले की आत्मा तुरंत शिव से मिल जाती है।

कई केंद्रीय पदों पर कर चुके है काम

पूर्व केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आधी सदी के अपने पॉलिटिकल करियर में, उन्होंने केंद्र सरकार में कई पदों पर काम किया, जिसमें लोकसभा स्पीकर और कई मंत्रालय शामिल हैं। बता दें कि पाटिल साहब ने 1967 में लातूर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेंबर के तौर पर अपना राजनीतिक करियर शुरू किया और 2010 से 2015 तक पंजाब के गवर्नर और चंडीगढ़ के प्रशासक (एडमिनिस्ट्रेटर) रहे। इस बीच, वह 1972 और 1980 के बीच दो बार लातूर से महाराष्ट्र लेजिस्लेटिव असेंबली के मेंबर रहे। वह लगातार सात बार लातूर सीट से लोकसभा मेंबर रहे, उन्होंने 1980, 1984, 1989, 1991, 1996, 1998 और 1999 में इस सीट से चुनाव जीता। पाटिल इंदिरा गांधी की सरकार में पहली बार रक्षा राज्य मंत्री (1980-82) के तौर पर मंत्री मंडल में शामिल हुए। जबकि पाटिल जी को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (1982-83) का इंडिपेंडेंट चार्ज भी दिया गया, जहां से उन्हें साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एटॉमिक एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेस और ओशन डेवलपमेंट (1983-84) में शिफ्ट कर दिया गया। राजीव गांधी की सरकार के दौरान, उन्होंने पर्सनल, डिफेंस प्रोडक्शन, सिविल एविएशन और पर्यटन मंत्री का भी काम संभाला। पाटिल को 2004 में केंद्रीय गृह मंत्रालय का काम सौंपा गया था।

मुख्य कार्यालय, विरार
विरार (प.), ता.वसई,
जि. पालघर, पिन-४०१ ३०३.

दुरध्वनी : ०२५०-६६३००००/२५२७१०८
टोल फ्री क्र. : १८००२३३४३५३
ई-मेल : vasaivirarcorporation@yahoo.com
जा.क्र : वविशम/मु.विद्युत / ११०९/२०२५
दिनांक : १२/१२/२०२५

निविदा मागविण्याची सूचना (RFP)

उपरोक्त विषयान्वये महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील रहदारी व वाहतुक नियंत्रण करणेंकरिता एकत्रित कमान्ड अँन्ड कंट्रोल सेंटर (ICCC), CCTV यंत्रणा, ऑप्टीकल फायबर कम्युनिकेशन नेटवर्क (OFC), ट्रॅफिक सिग्नल कंट्रोल यंत्रणा (ATSC), प्रोजेक्टची रचना, विकास, व्यवस्थापन आणि अंमलबजावणी करिता प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार (PMC) यांची नियुक्ती करणे करीता निविदा मागविण्यात येत आहेत. सदर सुचना https://mahatenders.gov.in या शासनाच्या अधिकृत संकेतस्थळावर दि. १४/१२/२०२५ पासून उपलब्ध होणार आहे.

निविदेबाबत सूचना व शुद्धीपत्रक असल्यास https://mahatenders.gov.in या शासनाच्या अधिकृत संकेतस्थळावर प्रसिद्ध करणेंत येईल.

सही/-
(दिपक सावंत)
अतिरिक्त आयुक्त (उत्तर)
वसई-विरार शहर महानगरपालिका

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

निविदा सुचना क्र. उमपा/विद्युत/टे-०२/४८,४९
(सन २०२५-२०२६)

उल्हासनगर महानगपालिकेच्या विद्युत अभियांत्रिकी विभागातर्फे इच्छुक ओजन्सी/ ठेकेदारांकडून "ई-निविदा/ निविदा प्रकियेव्दारे दोन लिफाफा पध्दतीने जाहिर निविदा http://Mahatenders.gov.in/nicgep/p?component=%24DirectLink&page=FrontEndTenderDetails&Service=direct&Session=T&sp=S9EoBn90rloh.... या वेबसाईट वरुन मागवित आहे.

अ.क्र	कामाचे नाव	निविदा रक्कम रुपये	निविदा अनामत रक्कम (EMD)	निविदा फॉर्म फी	सुरक्षा अनामत रक्कम	निविदा कालावधी
१	उल्हासनगर महानगरपालिकेला, महावितरण कंपनीकडून देण्यात आलेल्या 22kw HT सप्लाय करिता सुरक्षितेच्या दृष्टीने व्याक्युम एअर सर्किट ब्रेकर, करंट आणि पोटेंशियल ट्रान्सफॉर्मर बाबत.	१९,९५,५००/-	२०,०००/-	२,३६०/-सर्व करांसहीत	निविदा कार्यादेशाच्या किंमतीवर ५%	३० दिवस
२	उल्हासनगर महानगरपालिका, क्षेत्रातील विविध ठिकाणच्या जीर्ण व खराब २ झालेली दिवाबत्ती बदली करणेकरिता 90 वॅट एलईडी दिवाबत्तीची आवश्यकता असलेबाबत.	१६,१०,३००/-	१७,०००/-	२,००६/-सर्व करांसहीत	निविदा कार्यादेशाच्या किंमतीवर ५%	३० दिवस

निविदा बाबत सविस्तर माहिती http://Mahatenders.gov.in/ nicgep/app?component=%24DirectLink&page= FrontEndTenderDetails&Service=direct&Session=T&sp=S9EoBn90rloh... माहिती या वेबसाईट वर उपलब्ध आहे.

जा.क्र. उमपा/पीआरओ / ४३६/२०२५
दि.१३/१२/२०२५

सही/-
कार्यकारी अभियंता (विद्युत)
उल्हासनगर महानगरपालिका

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400008 निम्नलिखित कार्य हेतु **निविदा सूचना सं. BCT/25-26/280 दिनांक: 11.12.2025 आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम एवं स्थान: अंधेरी: अंधेरी में 28 टाइप–II क्वार्टरों का निर्माण (समेकित निविदा / Composite Tender) कार्य की अनुमानित लागत: 6,72,90,706.96 जमानत धनराशि (EMD):** 4,86,500/- निविदा **जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 06.01.2026 को 15.00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 06.01.2026 को 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0888

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है । **निविदा क्र.:** सोला/वि/नि/2025/24 **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अंतर्गत - सेक्शन में सुरक्षा, विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, अर्थिंग प्रबंध तथा अन्य सहायक कार्यो में सुधार से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा कार्य। **कार्य की लागत:** रु. 33,11,715.75/- **बोली प्रतिभूति:** रु. 66,200/- **कार्य पुरा करने की अवधि :** 12 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दि. 05/01/2026 को 15.00 बजे । बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है ।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)
मध्य रेल, सोलापुर
Apex-089
Download UTS App for Tickets

मध्य रेल
खुली निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना संख्या: BB.M.LTT.TC.52.UFM.100.LPH.V2 dated 06.12.2025. कार्य का नाम: मुंबई डिवीजन के एलटीटी कोचिंग डिपो में 100 LPH क्षमता वाले अल्ट्रा- फिल्ट्रेशन मेम्ब्रेन (UFM) प्लांट की किराएदारी (आपूर्ति, स्थापना और अनुरक्षण सहित) का कार्य पाँच वर्षों की अवधि के लिए। **अंदाजित मूल्य:** ₹ 3,18,954/- (तीन लाख अठारह हजार नौ सौ चौवन रुपये मात्र). **कार्य समापन की तिथि:** 60 महीने. **बयाना राशि जमा:** ₹ 6,400.00/- (छह हजार चार सौ रुपए मात्र). निविदा प्रस्तुत करने की **समाप्ति का दिनांक और समय:** 29.12.2025 को 11:00 बजे तक. निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारूप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 / दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

APEX-718
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
खुली निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना संख्या: BB.M.LTT.TC. 52. AMC.CAMC.P.Vol2 Dated 09.12.2025. कार्य का नाम: एलटीटी कोचिंग डिपो में LHB कोचों में स्थापित प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम (PFS) और इलेक्ट्रो प्यूमैटिक प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम (EPPFS) के लिए वारंटी से बाहर के कोचों के लिए सीएएमसी तथा वारंटी के अंतर्गत आने वाले कोचों का अवधि वार्षिक रखरखाव का कार्य 24 महीने की अवधि के लिए। **अंदाजित मूल्य:** ₹ 70,24,235.52/- (सत्तर लाख चौबीस हजार दो सौ पैंतीस रुपये और बावन पैसे मात्र). **कार्य समापन की तिथि:** 24 महीने. **बयाना राशि जमा:** ₹1,40,500/- (एक लाख चालीस हजार पाँच सौ रुपए मात्र). **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समय:** 31.12.2025 को 11:00 बजे तक. निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारूप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 / दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

APEX-716
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
खुली निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या - BB.M.LTT.TC.52. WSP.TB.10.12.2025 DATED 10.12.2025. कार्य का नाम : एलटीटी कोचिंग डिपो में डब्ल्यूएसपी (WSP) टेस्ट बेंच (02 संख्या) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण। **अंदाजित मूल्य :** Rs. 14,15,998.00 (चौदह लाख पंद्रह हजार नौ सौ अट्ठानवे रुपये मात्र) **कार्य समापन की तिथि :** 03 महीने **बयाना राशि जमा :** Rs. 28,400/- (अट्ठाईस हजार चार सौ रुपए मात्र) **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समय :** 01.01.2026 को 11:00 बजे तक । निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारुप में स्वीकार की जाएंगी । निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 / दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

कोचिंग डिपो अधिकारी, एल.टी.टी.
मुंबई मंडल, मध्य रेल
Apex-725
खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सिग्नलिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मो/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन में जियोग्रिड और जिया-टेक्सटाइल विधि (टीएफटीआर) और (टीबीआर) के साथ बीसीएम कार्य से संबंधित सिग्नलिंग कार्य करना। **निविदा संख्या:** सोला-एन-टी-2025-26-31 **कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 82,68,713.84 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** NIL **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रुपये 1,65,400 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने **निविदा के समापन की तिथि और समय:** 05.01.2026 after 15.30 Hrs.. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया गया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नही की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी रुप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रुप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, एस एंड टी शाखा
मध्य रेलवे, सोलापूर
Apex-088
Download UTS App for Tickets

मध्य रेल
निविदा सूचना

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल ने दादर, ठाणे, कल्याण और पनवेल स्टेशनों पर बुक किए गए पार्सल और सामान की हैंडलिंग की आउटसोर्सिंग के लिए **www.gem.gov.in** पर ई-टेंडरिंग मॉड्यूल के माध्यम से 03 वर्षों की अवधि के लिए निविदा आमंत्रित की है। इच्छुक बोलीदाताओं को बोली प्रक्रिया में भाग लेना आवश्यक है और सभी आवश्यक दस्तावेज बोली खुलने से पहले अपलोड करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर जाएं। : **खुला निविदा GeM संख्या: GEM / 2025 /B/6978342. कार्य का नाम:** दादर, ठाणे, कल्याण और पनवेल स्टेशनों पर बुक किए गए पार्सल और सामान की हैंडलिंग. **कार्यालय का पता:** डीआरएम कार्यालय, वाणिज्यिक शाखा, मुंबई मंडल, प्रथम तल, आरक्षण केंद्र, सीएसएमटी, मुंबई - 400001. **कार्यस्थल:** दादर, ठाणे, कल्याण और पनवेल स्टेशन, मुंबई मंडल **विज्ञापित मूल्य:** Rs.1,56,96,538/-. **निविदा का प्रकार:** दो पैकेट प्रणाली. **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 30 दिसंबर 2025 को 14:00 बजे. **कार्यकाल:** 03 वर्ष. **प्रस्तावों की वैधता:** 60 दिन. **वेबसाइट पर निविदा दस्तावेज उपलब्ध है https://gem.gov.in/**विषय निविदा के संबंध में आगे कोई शुद्धिपत्र / संशोधन, निविदा वापस लेना, तारीख में बदलाव, समय विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर ही अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

APEX-722
DRM(C)/ CSMT
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

संपादकीय

पीड़ा से मुक्ति

देश में लंबे समय से यह मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में रहा है कि विषम परिस्थितियों में एक त्रासदी से मुक्ति हेतु इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए या नहीं। समय-समय पर अदालती फैसलों ने मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। साथ ही कोशिश की गई है कि इस छूट का दुरुपयोग न किया जा सके। हाल ही में एक ज्वलंत प्रसंग पर सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी थी कि हमें अब कुछ करना होगा, इस तरह के त्रासद जीवन की कोई तार्किकता नहीं है। दरअसल, यह मामला एक 32 वर्षीय युवक का है, जो पिछले 13 सालों से कोमा जैसी स्थिति में है। यह अब केवल महज चिकित्सीय त्रासदी का मामला नहीं रह गया है। अब यह एक महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक प्रश्न भी बन चुका है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत की टिप्पणी देश में जीवन के अंतिम क्षणों में गरिमापूर्ण व्यवहार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। निश्चय ही यह प्रसंग अतीत में बहुचर्चित अरुणा शानबाग के मामले की यादें फिर से ताजा कर देता है। इस प्रसंग ने ही देश को पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु के प्रश्न का सामना करने के लिये बाध्य किया था। वर्ष 2011 में, सुप्रीम कोर्ट ने अरुणा शानबाग के मामले में फैसला सुनाते हुए, सैद्धांतिक रूप से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। दरअसल, अरुणा शानबाग एक भयानक हमले के बाद से ही 42 वर्षों से कोमा जैसी स्थिति में रही थीं। भले ही अदालत ने इस मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी, लेकिन साथ ही उसके साथ कुछ प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के भी निर्देश दिए थे। निश्चित रूप से इस मामले में अदालती फैसला नैतिक प्रेरणा का स्रोत भी बना। कालांतर में जिसके चलते वर्ष 2018 में एक संविधान पीठ ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्रदान की। साथ ही इसके लिये एक आवश्यक प्रक्रिया भी निर्धारित की थी। जिसका मकसद था कि समाज में कहीं इस छूट का दुरुपयोग आपराधिक स्वार्थों के लिये न किया जा सके। वर्ष 2023 में, अदालत ने इन दिशानिर्देशों को और सरल बनाने का प्रयास किया। जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि प्राथमिक और माध्यमिक चिकित्सा बोर्डों द्वारा स्थिति के मूल्यांकन की आवश्यकता रहेगी। फिलहाल देश में वही प्रक्रिया आज भी चल रही है। बहरहाल, वर्तमान मामले में बार-बार की गई अपीलें, इससे जुड़ी खामियों को भी उजागर करती हैं। दरअसल, ऐसे मामलों में पीड़ित को घर में दी जाने वाली देखभाल अपर्याप्त ही साबित होती है। वहीं दूसरी ओर राज्य का समर्थन भी पर्याप्त नहीं रहा है। इसके अलावा ऐसे मामलों से जुड़ी अनसुलझी नैतिक दुविधाएं असमंजस की स्थिति पैदा करती रही हैं। निस्संदेह, इस मामले में किसी युवा वयस्क के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की पहली स्पष्ट स्वीकृति हो सकती है। आज देश में हजारों मरीज कोमा जैसी अवस्था में नारकीय जीवन जी रहे हैं। जो उनके परिवारों के लिये भी एक त्रासदी की स्थिति है। जहां परिवार एक ओर भावनात्मक संकट से जूझ रहे होते हैं, वहीं रोगी के उपचार से जनित आर्थिक बोझ भी निरंतर बढ़ता जाता है। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार पर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, अदालत को जटिल परिस्थितियों में जैविक अस्तित्व के कठोर विस्तार के बजाय रोगी की मुक्ति और परिवार की पीड़ा को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे में यदि एम्स 17 दिसंबर तक मामले में जीवन की निरर्थकता की पुष्टि करता है, तो निष्क्रिय इच्छामृत्यु की स्वीकृति एक मिसाल कायम कर सकती है। इसके बाद दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों को भी स्पष्ट किया जा सकेगा। साथ ही जीवन के अंतिम विकल्पों का सम्मान किया जा सकेगा। देश के नीति-नियंताओं को कोमा जैसी अवस्था में सालों जूझते लोगों के मामले में स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए, जिससे ऐसे रोगियों की उपचारात्मक देखभाल और परामर्श को एकीकृत किया जा सके। मानवीय करुणा की मांग है कि जीवन की पवित्रता और पीड़ा की क्रूरता के बीच संतुलन बनाया जाए। इच्छामृत्यु जब सहमति से होगी तो मानवता को कायम रखा जा सकता है। न्यायपालिका को ऐसा न्याय देना चाहिए, जो रोगी को पीड़ा से मुक्त करे और एक करुणामय भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे।

राजस्थान में बम धमकियां और सिस्टम की बेबसी

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

राजस्थान में पिछले एक वर्ष से बम से उड़ाने की धमकियों का जो सिलसिला चला आ रहा है, उसने न केवल पुलिस और खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ाई है, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी भय और असुरक्षा की गहरी भावना भर दी है। हाईकोर्ट, स्कूल, होटल, अस्पताल, स्टेडियम और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बार-बार उड़ाने की धमकियां मिलना अब एक सामान्य खबर बनता जा रहा है। जयपुर जैसे अपेक्षाकृत शांत शहर का देश के उन बड़े महानगरों में शुमार होना, जहां सबसे ज्यादा धमकी भरे ईमेल और संदेश आए हैं, यह संकेत देता है कि समस्या केवल कानून-व्यवस्था की नहीं, बल्कि तकनीक और सुरक्षा के बीच बढ़ती खाई की है। राजस्थान में अब तक 61 से अधिक बम धमकियां दर्ज की जा चुकी हैं। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम को सात बार और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम को चार बार उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सबसे ज्यादा ईमेल निजी स्कूलों को भेजे गए, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में दहशत फैल गई। हर बार पुलिस, बम निरोधक दस्ता और प्रशासन अलर्ट पर आया, पूरे परिसर की सघन तलाशी ली गई, यातायात रोका गया और आम जनजीवन प्रभावित हुआ। लेकिन हर बार नतीजा शून्य ही रहा—न बम मिला, न कोई ठोस सुराग। यहां सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर इन धमकियों का उद्देश्य क्या है। क्या यह किसी शरारती तत्व का मजाक है, जो सिस्टम को छकाने में आनंद ले रहा है, या फिर यह किसी बड़े आतंकी षड्यंत्र की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें बार-बार चेतावनी देकर सुरक्षा तंत्र की प्रतिक्रिया को परखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि हर धमकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि आतंकवाद का इतिहास गवाह है कि कई बार झूठी सूचनाओं की आड़ में असली हमले को अंजाम दिया गया है। राजस्थान पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियों की मुश्किलें यहीं से शुरू होती हैं। अधिकतर धमकियां ईमेल के जरिए भेजी जा रही हैं, जिनका स्रोत पता करना तकनीकी रूप से बेहद जटिल है। आईपी एड्रेस और लोकेशन छिपाने वाले आधुनिक टूल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क यानी वीपीएन के माध्यम से भेजे गए ईमेल और मैसेज किसी भी वास्तविक भौगोलिक पहचान को सामने नहीं आने देते। न मोबाइल नंबर की जरूरत, न सिम कार्ड, न स्थायी इंटरनेट कनेक्शन—सिर्फ एक लैपटॉप या मोबाइल और एक मजबूत वीपीएन पर्याप्त है। वीपीएन तकनीक मूल रूप से ऑनलाइन निजता और सुरक्षा के लिए विकसित की गई थी, ताकि उपयोगकर्ता अपने डेटा को हैकिंग और निगरानी से बचा सके। लेकिन आज यही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित ढाल बन चुकी है। जितना महंगा और उन्नत वीपीएन, उतनी ही ज्यादा गुमनामी और उतनी ही कम संभावना कि कोई सुराग हाथ लगे। कई वीपीएन कंपनियों के सर्वर यूरोप और मध्य-पूर्व के देशों में स्थित हैं, जहां डेटा संरक्षण के कानून बेहद सख्त हैं। यूएई और यूरोप में वीपीएन का इस्तेमाल आम है और वहां की कंपनियां यूजर डेटा साझा करने में तब तक सहयोग नहीं करतीं, जब तक संबंधित देश की अदालत से औपचारिक आदेश न मिले। यही वजह है कि भारतीय जांच एजेंसियों के हाथ बंधे नजर आते हैं। किसी विदेशी वीपीएन सर्वर से डेटा मंगवाने के लिए लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें समय लगता है और तब तक अपराधी या तो अपनी पहचान बदल चुका होता है या नया फर्जी ईमेल अकाउंट बना लेता है। कई ऐसे सर्वर और ईमेल सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनसे भेजा गया संदेश कुछ ही समय में स्वतः डिलीट हो जाता है और डिजिटल फुटप्रिंट लगभग समाप्त हो जाता है। दिल्ली-एनसीआर में अब तक 300 से ज्यादा, मुंबई में 64, हैदराबाद में 85, बेंगलुरु में 123 और जयपुर में 61 धमकियों के आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है। यह अब एक राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है। इसके बावजूद पुलिस और खुफिया एजेंसियां हर बार केवल बम की जांच तक सीमित रह जाती हैं। उन्हें हर धमकी को गंभीर मानते हुए सुरक्षा बढ़ानी पड़ती है, लेकिन अपराधी तक पहुंचने के लिए ठोस तकनीकी और कानूनी साधनों का अभाव साफ दिखाई देता है। ऐसे में आम जनता के मन में यह धारणा बनना स्वाभाविक है कि पुलिस बेबस है। हालांकि सच्चाई यह है कि पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियों के सामने तकनीक की रफ्तार और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की सीमाएं एक बड़ी दीवार बनकर खड़ी हैं। साइबर अपराध अब किसी एक राज्य या देश की सीमा में बंधा नहीं रहा। एक व्यक्ति किसी दूसरे देश के सर्वर से तीसरे देश को धमकी दे सकता है और चौथे देश की एजेंसियां उसे ढूंढने में लगी रह जाती हैं। राजस्थान हाईकोर्ट की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय इसी गंभीरता को दर्शाता है। हाईकोर्ट न केवल न्याय का प्रतीक है, बल्कि लोकतंत्र की एक मजबूत संस्था भी है। उस पर बार-बार धमकी आना पूरे सिस्टम को चुनौती देने जैसा है। अतिरिक्त सुरक्षा बल, आधुनिक निगरानी उपकरण और कड़े प्रवेश नियम तत्काल जरूरत हैं, लेकिन दीर्घकालीन समाधान केवल भौतिक सुरक्षा से नहीं निकलेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी उजागर कर दिया है कि भारत को अपनी साइबर फॉरेंसिक क्षमता को और मजबूत करना होगा। केवल विदेशी सर्वरों पर निर्भर रहने के बजाय देश में ऐसे तकनीकी ढांचे विकसित करने होंगे, जो रियल-टाइम ट्रैकिंग, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तेज कानूनी प्रक्रियाओं को संभव बना सकें। साथ ही, वीपीएन और फर्जी ईमेल सेवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर सख्त नियमों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की जरूरत है। यह भी जरूरी है कि हर धमकी को केवल अफवाह या मजाक मानकर नजरअंदाज न किया जाए, लेकिन साथ ही जनता में अनावश्यक दहशत फैलने से भी बचाया जाए।

जीवन मंत्र

प्रेम, पीड़ा और मानव चेतना की एकता

यह दुनिया गोल है, इसलिए दोस्ती इसे घेर सकती है। हम सब आध्यात्मिक अनुभवों वाले इंसान नहीं हैं, बल्कि हम आध्यात्मिक जीव हैं, जो मानवता का अनुभव रखते हैं।

बुढ़ापा अक्सर एक सजा की तरह महसूस होता है, क्योंकि उसमें शरीर की सीमाएँ, कमजोरियाँ और थकान हमारे सामने खुलकर आ जाती हैं। लेकिन यही जीवन का वह चरण भी है जहाँ मनुष्य पीछे मुड़कर देख सकता है कि उसने कितना जिया, कितना दिया और कितना किसी और के जीवन में अर्थ बन सका। मानव जीवन की सबसे संतुष्टिदायक अनुभूति शायद यही है कि हम अपनी पूरी उम्र केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जी सके। जब हम यह महसूस करते हैं कि हमारी उपस्थिति से किसी का जीवन थोड़ा आसान, थोड़ा उजला या थोड़ा सुरक्षित हुआ, तब जीवन अपने आप में सार्थक हो जाता है। लेकिन यहीं से एक पीड़ादायक प्रश्न जन्म लेता है—फिर अच्छे लोगों के साथ बुरी चीजें क्यों होती हैं? यह सवाल जितना सीधा दिखता है, उतना है नहीं। समय के साथ यह प्रश्न अपना रूप बदल लेता है। एक दौर आता है जब हम यह पूछना छोड़ देते हैं कि "मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ?" और उसकी जगह यह पूछने लगते हैं कि "अब मेरी प्रतिक्रिया क्या होगी?" क्योंकि घटनाएँ हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, पर उनके प्रति हमारा दृष्टिकोण और हमारा उत्तर हमेशा हमारे हाथ में होता है। यही वह मोड़ है जहाँ मनुष्य पीड़ित से सृजनकर्ता बनता है। एक पुरुष या महिला के रूप में हमारा कर्तव्य यही है कि हम जीवन की हर चोट के बाद भी इस तरह आगे बढ़ें जैसे हमारी क्षमता असीम हो। जैसे हम केवल सहने वाले प्राणी नहीं, बल्कि सृजन के सक्रिय सहयोगी हों। जीवन हमें तोड़ने नहीं, बल्कि गढ़ने

आता है। हर अनुभव—चाहे वह सुख हो या दुःख—हमारे भीतर किसी नए रूप को जन्म देता है। यदि हम इसे स्वीकार कर लें, तो पीड़ा भी परिपक्वता में बदल सकती है। इस पूरे सफर में एक बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि केवल प्रेम ही जीवित प्राणियों को सचमुच एकजुट कर सकता है। प्रेम वह शक्ति है जो हमें सबसे गहराई से जोड़ती है, बिना शर्त, बिना भाषा और बिना सीमाओं के। जब हम प्रेम करते हैं, तब हम अपने "मैं" से निकलकर "हम" में प्रवेश करते हैं। प्रेम केवल भावनात्मक लगाव नहीं है, वह वह आत्मीयता है जो संसार के सभी तत्वों को एक-दूसरे से बांधती है और एक साथ खींचती है।

जीवन ऊर्जा

डिल्मा रूसेफ : जन्म 14 दिसंबर 1947

जन्म

डिल्मा रूसेफ ब्राज़ील की पहली महिला राष्ट्रपति थीं। उनका जन्म 14 दिसंबर 1947 को हुआ। उन्होंने 2011 से 2016 तक ब्राज़ील का नेतृत्व किया। सामाजिक समानता और गरीबी उन्मूलन के लिए उनके प्रयास सराहनीय हैं। उनका जीवन संघर्ष, साहस और प्रेरणा का प्रतीक है।

सही के लिए बोलने से मत डरें

समानता के लिए संघर्ष सभी की गरिमा के लिए संघर्ष है। साहस सभी महान उपलब्धियों की नींव है। सपने मेहनत और धैर्य से हकीकत बनते हैं। हर चुनौती एक बेहतर भविष्य बनाने का मौका है। सच्ची ताकत कठिन समय में हमारे भीतर से आती है। प्रगति तभी होती है जब हम बदलाव में विश्वास करते हैं। परिवर्तन के लिए सबसे ताकतवर शक्ति आशा है। सच्चा नेतृत्व दूसरों की सेवा करना है, खुद की नहीं। हर असफलता एक सबक है और हर हार एक सीढ़ी। भविष्य उन्हीं का है जो इसे नेतृत्व करने से नहीं डरते। महानता पाने के लिए सबसे पहले खुद पर विश्वास करना चाहिए। दूसरों को सशक्त बनाना स्थायी सफलता की कुंजी है। न्याय और समानता तोहफा नहीं बल्कि संघर्ष से अर्जित अधिकार हैं। एकता में शक्ति है और एकता प्रगति लाती है। कोई बाधा अपराजेय नहीं जब हम साथ खड़े होते हैं। नेता पैदा नहीं होते, वे मेहनत और दृढ़ संकल्प से बनते हैं। आपकी आवाज़ मायने रखती है। सही के लिए बोलने से मत डरें। सफलता धन से नहीं, बल्कि हमारे सकारात्मक प्रभाव से मापी जाती है। दुनिया को बदलने की ताकत हमारे सामूहिक प्रयास में है। धैर्य ही जीवन की सबसे कठिन लड़ाइयों को जीतने की कुंजी है। शिक्षा व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का सबसे शक्तिशाली साधन है। असफलता तभी होती है जब हम कोशिश करना छोड़ देते हैं।कठिनाइयाँ हमें परखती हैं, लेकिन हमें मजबूत भी बनाती हैं। सबसे बड़ी जीत गिरने में नहीं, बल्कि हर बार उठने में है। अपने सपनों की शक्ति में विश्वास करें और उन्हें पाने के लिए मेहनत करें।

शख्सियत : दिव्यांका त्रिपाठी दहिया

भारतीय टेलीविजन की बहुमुखी और प्रेरणादायक अभिनेत्री

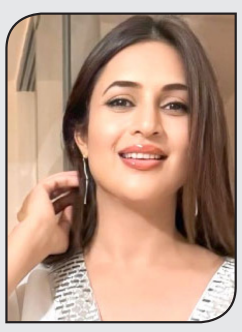

दिव्यांका त्रिपाठी दहिया भारतीय टेलीविजन की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं जिन्होंने मेहनत, निरंतरता और सशक्त अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। 14 दिसंबर 1984 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जन्मीं दिव्यांका ने अपनी शिक्षा कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल और सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, भोपाल से पूरी की।

पढ़ाई के साथ-साथ उनमें रोमांच और अनुशासन का भी गहरा शौक रहा, जिसका प्रमाण उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान से किया गया पर्वतारोहण पाठ्यक्रम है। उनका करियर अभिनय से पहले ऑल इंडिया रेडियो, भोपाल में एंकर के रूप में शुरू हुआ। शुरुआती दिनों में उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और 2003 में पैंटीन ज़ी टीन क्वीन प्रतियोगिता में 'मिस ब्यूटीफुल स्किन' का खिताब जीता। इसके बाद इंडियाज़ बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज जैसे मंचों ने उन्हें पहचान दिलाई और अभिनय की दुनिया के दरवाज़े खोले। वर्ष 2005 में मिस भोपाल का ताज पहनना उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने वाला साबित हुआ। दूरदर्शन की टेलीफिल्म और आकाशवाणी जैसे कार्यक्रमों से अभिनय की शुरुआत करने के बाद उन्हें ज़ी टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'बनू मैं तेरी दुल्हन' से असली पहचान मिली। इस शो में विद्या और दिव्या की दोहरी भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान खींचा। इस किरदार के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले और वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद रियलिटी शोज़, कॉमेडी, हॉरर और ड्रामा जैसे विभिन्न प्रारूपों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वर्ष 2013 में शुरू हुआ धारावाहिक 'ये है मोहब्बतें' उनके करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ। डॉ. इशिता भल्ला के किरदार में उन्होंने संवेदनशीलता, मजबूती और भावनात्मक गहराई को जिस तरह पर्दे पर उतारा, उसने उन्हें भारतीय टेलीविजन की शीर्ष अभिनेत्रियों की कतार में ला खड़ा किया। यह शो लगभग छह वर्षों तक सफलतापूर्वक चला और इस दौरान दिव्यांका को अनेक पुरस्कारों और सम्मान से नवाज़ा गया। वह फोर्ब्स इंडिया की सेलिब्रिटी 100 सूची में जगह बनाने वाली पहली टेलीविजन अभिनेत्री भी बनीं। टेलीविजन धारावाहिकों के साथ-साथ रियलिटी शोज़ में भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। 'नच बलिये 8' में अपने पति विवेक दहिया के साथ भाग लेकर विजेता बनना और 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11' में उपविजेता रहना उनकी जुझारू और साहसी छवि को दर्शाता है। होस्ट के रूप में भी उन्होंने 'क्राइम पेट्रोल' जैसे शो को संभाला और दर्शकों से सराहना पाई। निजी जीवन में दिव्यांका ने अपने सह-कलाकार विवेक दहिया से 8 जुलाई 2016 को विवाह किया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

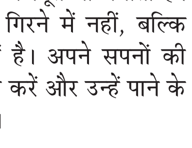

ब्राह्मण समाज, प्रकार और उपनामों का इतिहास

प्राचीन काल में हर जाति, समाज आदि का व्यक्ति ब्राह्मण बनने के लिए उत्सुक रहता था। ब्राह्मण होने का अधिकार आज भी सभी को है, चाहे वह किसी भी जाति, प्रांत या संप्रदाय से हो; वह गायत्री दीक्षा लेकर ब्राह्मण बन सकता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

लेकिन ब्राह्मण होने के लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। हम उस ब्राह्मण समाज की बात नहीं कर रहे हैं, जिनमें से अधिकतर ने अपने ब्राह्मण कर्म छोड़कर अन्य कर्मों को अपना लिया है। हालांकि अब वे कर्म से ब्राह्मण नहीं रहे, फिर भी उन्हें ब्राह्मण कहा जाता है। स्मृतिपुराणों में ब्राह्मण के आठ भेदों का वर्णन मिलता है। केवल ब्राह्मण श्रोत्रिय, अनुचान, भ्रूण, ऋषिकल्प, ऋषि और मुनि आठ प्रकार के ब्राह्मण श्रुति में पहले बताए गए हैं। इसके अलावा, वंश, विद्या और सदाचार से ऊंचे उठे हुए ब्राह्मण को त्रिशुक्ल कहा जाता है। ब्राह्मण को धर्मज्ञ, विप्र और द्विज भी कहा जाता है।

1. मात्र ब्राह्मण – ऐसे ब्राह्मण जो जाति से ब्राह्मण हैं लेकिन कर्म से नहीं। ब्राह्मण कुल में जन्म लेने से कोई ब्राह्मण नहीं कहलाता। बहुत से ब्राह्मण ब्राह्मणोचित उपनयन संस्कार और वैदिक कर्मों से दूर रहते हैं। इनमें से कुछ तो बस नाम के ब्राह्मण हैं। ये विभिन्न देवी-देवताओं की पूजा करते हैं और रात्रि के क्रियाकांडों में लिप्त रहते हैं। ये सभी राक्षसधर्मी भी हो सकते हैं।

2. ईश्वरवादी ब्राह्मण – वेदपाठी, ब्रह्मगामी, सरल, एकांतप्रिय, सत्यवादी और बुद्धि से दृढ़ व्यक्ति ब्राह्मण कहे जाते हैं। ये पुराणिक कर्मों के बजाय वेदसम्मत आचरण करते हैं।

3. श्रोत्रिय – जो कोई भी व्यक्ति वेद की किसी एक शाखा को कल्प और छहों अंगों सहित पढ़कर ब्राह्मणोचित छह कर्मों में संलग्न रहता है, वह श्रोत्रिय कहलाता है।

4. अनुचान – वेदों और वेदांगों का तत्वज्ञ, पापरहित, शुद्ध चित्त, श्रेष्ठ श्रोत्रिय विद्यार्थियों को पढ़ाने वाला विद्वान व्यक्ति अनुचान माना जाता है।

5. भ्रूण – अनुचान के

समस्त गुणों से युक्त होकर केवल यज्ञ और स्वाध्याय में संलग्न व्यक्ति भ्रूण कहलाता है।

6. ऋषिकल्प – सभी वेदों, स्मृतियों और लौकिक विषयों का ज्ञान प्राप्त कर मन और इंद्रियों को वश में करके आश्रम में सदा ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला व्यक्ति ऋषिकल्प कहा जाता है।

7. ऋषि – सम्यक आहार-विहार आदि करते हुए ब्रह्मचारी रहकर संशय और संदेह से परे, सत्यप्रतिज्ञ और समर्थ व्यक्ति ऋषि कहलाता है।

8. मुनि – निवृत्ति मार्ग में स्थित, संपूर्ण तत्वों का ज्ञाता, ध्याननिष्ठ, जितेन्द्रिय तथा सिद्ध व्यक्ति मुनि कहलाता है।

उपरोक्त में से अधिकतर केवल नाम के ब्राह्मण (मात्र ब्राह्मण) हैं।

सबसे पहले ब्राह्मण शब्द का प्रयोग अथर्ववेद के उच्चारणकर्ता ऋषियों के लिए किया गया था। प्रत्येक वेद को समझने के लिए ग्रंथ भी लिखे गए जिन्हें ब्राह्मण साहित्य कहा गया। उस समय ब्राह्मण किसी जाति या समाज से नहीं था।

अपने विचार

सुनवाई के दौरान पूछे गए कुछ सवालों के आधार पर कार्यवाही के बारे में कहानियां गढ़ लेते हैं। 'सोशल मीडिया या कैसे भी... लेकिन मैं इन सबसे बिल्कुल प्रभावित नहीं होता हूं। अगर किसी को लगता है कि वह मुझे डरा धमका सकते हैं... तो वो गलत है।

-सूर्यकांत
CJI, सुप्रीमकोर्ट

पंजाब में कोई भी सरकार गठबंधन के बिना नहीं बन सकती। बीजेपी को पंजाब में आगे बढ़ने के लिए शिरोमणि अकाली दल (SAD) के साथ फिर से गठबंधन करना होगा। अपने 60 साल के राजनीतिक अनुभव के आधार पर वह यह कह सकते हैं कि बीजेपी और अकाली दल अंतत: एक साथ आएंगे।

-अमरिंदर सिंह
नेता, भाजपा पंजाब

अगली बार थरथराने का भी समय नहीं मिलेगा। जिन लोगों ने जानबूझकर या गलत तरीके से दाखिल-खारिज और मापी कर भूमि विवाद पैदा किया है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

-विजय सिन्हा
डिप्टी सीएम, बिहार

राजनीति में किसी तरह की दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। कौन कब आपका दोस्त बन जाए, कहा नहीं जा सकता। हम नगर निकाय चुनावों के लिए ज्यादा से ज्यादा जगहों पर गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

-रविन्द्र चव्हाण
अध्यक्ष, महाराष्ट्र भाजपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

भूमिपुत्रों के अधिकारों के लिए 'भूमिपुत्र एल्गार संगठन' का गठन

भिवंडी। भिवंडी-वाडा रोड की जर्जर हालत के खिलाफ हुए आंदोलन के बाद श्रमजीवी संगठन के प्रवक्ता व सक्रिय कार्यकर्ता प्रमोद पवार ने संगठन से इस्तीफा देकर स्थानीय भूमिपुत्रों के न्याय और अधिकारों के लिए नई सामाजिक संस्था 'भूमिपुत्र एल्गार संगठन' के गठन की घोषणा की, जिसकी जानकारी उन्होंने शनिवार को अंबाडी में आयोजित पत्रकार परिषद में दी। संगठन के अध्यक्ष प्रमोद पवार ने कहा कि इस मंच को किसी बड़े नेता का संरक्षण नहीं है और हर कार्यकर्ता ही इसका नेता होगा; भिवंडी-वाडा रोड की बदहाली से हुई दुर्घटनाओं में कई युवाओं की मौत के बावजूद अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण उन्होंने 4 नवंबर को इस्तीफा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नहीं, बल्कि अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध है तथा ठाणे और पालघर जिलों के आदिवासी, कष्टकरी, बेरोजगार युवाओं और शोषित किसानों-श्रमिकों को न्याय दिलाना लक्ष्य है। संगठन ठाणे व पालघर के सभी 14 तालुकों में पारदर्शी, डिजिटल और जमीनी जनसंवाद आधारित कार्यप्रणाली से काम करेगा, आगे चलकर इसका विस्तार पूरे महाराष्ट्र में किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के ध्वज का अनावरण किया गया। पदाधिकारियों में कार्याध्यक्ष सुनील लोणे, महासचिव नवनाथ भोये, उपाध्यक्ष कल्पेश जाधव व अधिवक्ता सोनाली पवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महानगरपालिका चुनाव की तैयारी को लेकर कांग्रेस की विशाल जनसभा

भिवंडी। भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के किदवई नगर तालाब, गैबी नगर में आयोजित विशाल जनसभा में कांग्रेस ने आगामी भिवंडी निज़ामपुर महानगरपालिका चुनाव को लेकर अपनी रणनीति और तैयारियों को सार्वजनिक किया। बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में शहर जिला अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में पूरी ताकत के साथ अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए शहर के विकास के लिए संघर्ष जारी रखेगी। जनसभा में भिवंडी कांग्रेस अध्यक्ष राशिद ताहिर मोमिन, पूर्व सांसद सुरेश टावरे, उपाध्यक्ष रुखसाना कुरैशी, प्रदेश महासचिव आबिद मनसब खान सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने विचार रखे। नेताओं ने कहा कि भिवंडी की जनता बदलाव चाहती है और आगामी महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोसायटी रीडेवलपमेंट व प्रबंधन पर संयुक्त सेमिनार

विरार। टीडीसीसी बैंक और पालघर जिला को-ऑपरेटिव हाउसिंग फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिसंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया है। यह सेमिनार विरार पश्चिम स्थित रुस्तमजी ग्लोबल सिटी के क्लब वन हॉल में शाम 5 बजे से 8 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन का उद्देश्य आवासीय सोसायटियों से जुड़े सदस्यों को रीडेवलपमेंट, प्रबंधन और आधुनिक सुविधाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। सेमिनार में सेल्फ रीडेवलपमेंट, रीडेवलपमेंट प्रक्रिया, लैंड कन्वेयंस व डीम्ड कन्वेयंस, सोसायटियों के लिए सोलर पैनल सहित अन्य उपयोगी विषयों पर चर्चा की जाएगी।

118 साल की गौरवशाली विरासत का भव्य प्रदर्शन

माथेरान स्टेशन महोत्सव का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । माथेरान

मध्य रेल द्वारा शनिवार, 13 दिसंबर 2025 को माथेरान स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार देशभर में चल रहे स्टेशन महोत्सव समारोह का हिस्सा था। महोत्सव के माध्यम से 118 वर्ष पुरानी माथेरान लाइट रेलवे की समृद्ध और गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित किया गया।

कलाकृतियों की प्रदर्शनी और डिजिटल डिस्प्ले मुख्य आकर्षण

स्मृति चिन्हों की बिक्री, पर्यटकों में दिखा उत्साह

नेरल–माथेरान से जुड़ी यादगार वस्तुएं जैसे डायरी, कॉफी मग, टी-शर्ट और की-चेन स्मृति चिन्ह के रूप में बिक्री के लिए रखी गईं, जिन्हें पर्यटकों ने हाथोंहाथ खरीदा।

स्टेशन परिसर में लगी भव्य विरासत प्रदर्शनी

इस अवसर पर माथेरान स्टेशन परिसर में एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें भौतिक और वर्चुअल दोनों माध्यमों से रेलवे की ऐतिहासिक धरोहर को प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में माथेरान लाइट रेलवे के इतिहास, विकास और तकनीकी विरासत की जानकारी दी गई, जिसे यात्रियों और पर्यटकों ने बड़े उत्साह से देखा।

विरासत से जुड़े दुर्लभ रेल उपकरण आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में मूल विरासत और मौजूदा रोलिंग स्टॉक को प्रदर्शित किया गया, जिनमें स्टीम लोको 794B, 4 व्हीलर बोगी फ्लैट रेल (BFR) वैगन, डीएचआर बोगी और माथेरान लाइट रेलवे की बोगी शामिल थीं। इसके अलावा बारसी लाइट इंजन का कार्यशील मॉडल भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहा।

पुराने रेलवे संसाधनों की झलक ने बढ़ाई दिलचस्पी

प्रदर्शनी में पुराने समय के स्टेशन स्टाफ बैज, पॉइंट्समैन की बेल्ट, स्टेशन की घंटी, लकड़ी का कैश बॉक्स, मापने के तराजू और बाट, सिग्नलिंग लैंप, तेल के डिब्बे, पानी परोसने वाले गिलास और कांच के नेगेटिव जैसी ऐतिहासिक वस्तुएं भी प्रदर्शित की गईं।

वीआर तकनीक से कराया गया नेरल–माथेरान का वर्चुअल भ्रमण

दर्शकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए 360 डिग्री दृश्य देने वाले वीआर ऑकुलस चश्मों के जरिए नेरल–माथेरान रेल मार्ग का वर्चुअल टूर भी कराया गया, जिसे आगंतुकों ने काफी सराहा।

1904 से 1907 तक बना नेरल–माथेरान रेलवे इतिहास

नेरल–माथेरान लाइट रेलवे का निर्माण 1904 में शुरू हुआ और 1907 में यह नैरो गेज लाइन यातायात के लिए खोली गई। पहाड़ी रास्तों से गुजरने वाली यह रेल लाइन मध्य रेल द्वारा संचालित की जाती है। मानसून के दौरान सुरक्षा कारणों से लाइन बंद रहती है, हालांकि 2012 से अमन लॉज–माथेरान शटल सेवाएं मानसून में भी चलाई जा रही हैं।

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

मध्य रेल का उद्देश्य माथेरान को न केवल एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है, बल्कि टॉय ट्रेन के जरिए प्रकृति के करीब एक यादगार अनुभव देना भी है। इससे पर्यटकों का अनुभव बेहतर होगा और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था व रोजगार के अवसरों को भी मजबूती मिलेगी।

सुबह से शाम तक खुली प्रदर्शनी, 200 से अधिक आगंतुक पहुंचे

सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली इस प्रदर्शनी को यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों सहित 200 से अधिक लोगों ने देखा। यह आयोजन पुरानी यादों को ताजा करने और नई पीढ़ी को रेलवे विरासत से जोड़ने का माध्यम बना।

प्रतिदिन 20 ट्रेनें, सप्ताहांत में विशेष सेवाएं

वर्तमान में नेरल–माथेरान–नेरल के बीच प्रतिदिन 4 ट्रेनें और अमन लॉज–माथेरान–अमन लॉज के बीच 16 ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इनमें से 12 ट्रेनें रोजाना और 4 विशेष ट्रेनें केवल शनिवार और रविवार को चलती हैं।

लक्जरी सुविधाओं से लैस नए कोच बने आकर्षण

मध्य रेल ने इन मार्गों पर नए सुसज्जित और बेहतर माहौल वाले कोच भी शुरू किए हैं, जिनमें विंटेज रंग योजना, लकड़ी की फिनिश वाला इंटीरियर, पीवीसी फ्लोरिंग, नई लेदर सीटें और प्रथम श्रेणी कोच में लगेज रैक जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

म्हाडा संकुल में कचरा निपटान के लिए प्रयोगात्मक बॉक्स का उद्घाटन

विरार। प्रभाग क्रमांक 11 स्थित विरार पश्चिम के म्हाडा संकुल इमारत क्रमांक 4 में कचरा निपटान के लिए प्रयोगात्मक आधार पर लगाए गए पत्रे के बॉक्स का उद्घाटन शिवसेना महिला आघाड़ी की तालुका संघटक अश्विनी चव्हाण और विरार शहर प्रमुख रोहन चव्हाण के हाथों किया गया। इस पहल को महानगरपालिका की ओर से प्रयोगात्मक रूप से मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है। यह बॉक्स शिवसेना विभाग प्रमुख शिवाजी कल्याणकर एवं उनके सहयोगियों के प्रयास से स्थापित किए गए हैं। उद्घाटन के समय शिवसेना के पदाधिकारी नरेंद्र आचरेकर, पांडुरंग भोसले, रमाकांत बारवाड, प्रकाश शेगर सहित भाजपा के कृष्णा देवाडीगा और श्रीनिवास पेनगोंडा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वच्छता की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

एसआरए–म्हाडा रीडेवलपमेंट में बढ़ेगा कॉर्पस फंड

बिल्डिंग की ऊंचाई के अनुसार मिलेगा अधिक फंड, सोलर पैनल अनिवार्य

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नागपुर

मुंबई के आम लोगों को बेहतर आवास और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से SRA और MHADA के रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में कॉर्पस फंड की राशि बढ़ाई जाएगी। यह कॉर्पस फंड अब इमारत की ऊंचाई के आधार पर तय किया जाएगा। यह जानकारी राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने विधानसभा में दी।

कमेटी की रिपोर्ट के बाद लिया गया फैसला

सरकार द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर अब बिल्डिंग की ऊंचाई के अनुसार कॉर्पस फंड बढ़ाने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। इसके तहत 70 मीटर तक ऊंची इमारतों के लिए कॉर्पस फंड 1 लाख रुपये, 70 से 120 मीटर तक ऊंची इमारतों के लिए 2 लाख रुपये और 120 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों के लिए 3 लाख रुपये होगा। महाराष्ट्र रीजनल एंड टाउन प्लानिंग एक्ट, 1966 के तहत इस बदलाव को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई अंतिम चरण में है और SRA तथा राज्य सरकार जल्द ही इसे लागू करेंगी।

विधायक के सवाल पर सरकार का जवाब

विधायक अतुल भातखलकर द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में राज्य मंत्री डॉ. भोयर ने बताया कि मौजूदा कॉर्पस फंड वास्तविक खर्चों के मुकाबले अपर्याप्त था, इसलिए इसमें बदलाव जरूरी था। डॉ. भोयर ने कहा कि अब तक SRA और MHADA प्रोजेक्ट्स में प्रति फ्लैट केवल 40 हजार रुपये का कॉर्पस फंड दिया जाता था। यह राशि रखरखाव और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए नाकाफी साबित हो रही थी।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को स्व. दि. बा. पाटील का नाम देने की मांग तेज

सांसद बाल्या मामा ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात कर सौंपा लिखित निवेदन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को लोकनेता स्वर्गीय दि. बा. पाटील का नाम दिए जाने की मांग को लेकर भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने केंद्र और राज्य सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। इसी क्रम में शनिवार को नागपुर में उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर इस संबंध में लिखित निवेदन सौंपा।

22 दिसंबर को पदयात्रा आंदोलन की चेतावनी

सांसद ने घोषणा की कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो 22 दिसंबर को स्थानीय भूमिपुत्रों की पदयात्रा के रूप में आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन क्षेत्रवासियों की भावनाओं को सामने लाने का माध्यम होगा।

पूर्व आश्वासन की दिलाई याद

मुलाकात के दौरान सांसद बाल्या मामा ने मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासन की याद दिलाई। इस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने एक बार फिर स्व. दि. बा. पाटील के नामकरण को लेकर सकारात्मक रुख होने का भरोसा दिलाया। सांसद बाल्या मामा ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शुरू होने में अब बहुत कम समय शेष है, इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो इस मांग को लेकर संघर्ष और तेज किया जाएगा।

स्व. दि. बा. पाटील के संघर्ष को बताया प्रेरणास्रोत

बाल्या मामा ने कहा कि स्व. दि. बा. पाटील ने नवी मुंबई क्षेत्र के विकास और स्थानीय लोगों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को उनका नाम दिया जाना न केवल उनके योगदान का सम्मान होगा, बल्कि क्षेत्रवासियों की भावनाओं को भी उचित मान्यता मिलेगी।

गोपाल समाज का विधायक गोपीचंद पडलकर के सम्मान में आभार मोर्चा

उल्हासनगर। कैंप-3 स्थित विठ्ठलवाड़ी परिसर में गोपाल समाज की ओर से आज एक भव्य आभार मोर्चा निकाला गया, जो राज्य विधानसभा के अधिवेशन में गोपाल समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने पर विधायक गोपीचंद पडलकर के सम्मान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने प्रतीकात्मक रूप से दूध से अभिषेक कर विधायक के प्रति अपना आभार और सम्मान व्यक्त किया। मोर्चे में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि विधायक पडलकर ने सदन में गोपाल समाज के हक, सामाजिक न्याय और विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती से रखा, जिससे समाज में नई उम्मीद जगी है। समाज के पदाधिकारियों ने सरकार से इन मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय लेने की अपील की और स्पष्ट किया कि गोपाल समाज संगठित है तथा अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष करता रहेगा। इस मौके पर सोनू हटकर, दीपक उज्जैनकर, उत्तम चौधरी, त्रिबक उज्जैनकर, संजय उज्जैनकर, काशीनाथ हटकर, मगन हटकर, अशोक चौधरी, प्रकाश चौधरी, सुनील चव्हाण, प्रताप उज्जैनकर, अशोक सोनवाने, संतोष चौधरी, शूरसिंह चव्हाण सहित कई गणमान्य नागरिक और गोपाल समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

व्यसनमुक्त भारत अभियान के तहत भव्य जनजागरूकता रैली

भिवंडी। गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी के तत्वावधान में व्यसनमुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को एक भव्य जनजागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया, जो अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित सप्तसूत्रीय आंदोलन का हिस्सा है। रैली का उद्देश्य समाज को नशामुक्ति का संदेश देना और युवाओं में बढ़ती व्यसन प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाना रहा। सुबह 8 बजे दादासाहेब दांडेकर विद्यालय, गोपाल नगर से शुरू हुई रैली कल्याण नाका फ्लाईओवर, कमला होटल और धामणकर नाका मार्ग से होते हुए सुबह 10 बजे पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव विद्यालय में संपन्न हुई, जहां नशा मुक्ति शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. वरुण मानेक ने कहा कि नशे की लत समाज में तेजी से फैल रही है और इसका दुष्प्रभाव बच्चों व युवाओं तक पहुंच चुका है, जिससे अवसाद, असफलता और सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में शांतिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि सोमदेव पटय्या, प्राचार्य सुधीर घागस, वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णगोपाल सिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। रैली का आयोजन गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी के साथ मनोरथ सिद्धि सेवा फाउंडेशन, मां भारती चैरिटेबल ट्रस्ट, आदर्श रामलीला मित्र मंडल, जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, अटल सेवा फाउंडेशन, श्री सिद्धेश्वर योग मित्र मंडल समेत कई सामाजिक संगठनों के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और समाजसेवियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी।

वृष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं। प्रमाद न

कन्या रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। घर-बाहर

तुला प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।। नौकरी में कार्य की प्रशंसा

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

धनु घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। धनहानि की आशंका बनती है।

मकर किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है। नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। नकारात्मकता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

आर्थिक स्थिति कब सुधरेगी और जीवन में धन का प्रवाह कैसे स्थिर होगा

जीवन में हर व्यक्ति यह चाहता है कि उसके पास इतना धन हो कि वह अपने और अपने परिवार के लिए सम्मानजनक, सुरक्षित और संतुलित जीवन जी सके। यह बात बिल्कुल सत्य है कि अर्थ के बिना जीवन की अनेक संभावनाएँ अधूरी रह जाती हैं। जब आर्थिक स्थिति बार-बार उतार-चढ़ाव से गुजरती है, आय सीमित रहती है या मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तब मन में यह प्रश्न गहराने लगता है कि क्या कभी आर्थिक स्थिति वास्तव में मजबूत होगी, क्या सामान्य आय वाला व्यक्ति भी बहुत आगे बढ़ सकता है और यह सुधार कब दिखाई देगा। ज्योतिष शास्त्र इस विषय को केवल आशा के रूप में नहीं, बल्कि समय, कारण और प्रक्रिया के रूप में देखता है।

प्रियंका जैन
9769994439

जन्मकुंडली में आर्थिक स्थिति कोई स्थिर वस्तु नहीं होती, बल्कि यह समय के साथ बदलती रहती है। इसके मूल में दूसरा भाव और ग्यारहवाँ भाव होते हैं। दूसरा भाव उस धन को दर्शाता है जो व्यक्ति के पास संचित होता है, जो टिकता है, जो जीवन को आधार देता है, जबकि ग्यारहवाँ भाव उस धन का संकेत देता है जो जीवन में आता है, अवसर बनकर सामने आता है और इच्छाओं को पूरा करता है। जब इन दोनों भावों और इनके स्वामी ग्रहों में शक्ति होती है, शुभ स्थिति होती है या वे किसी राजयोग अथवा धनयोग से जुड़े होते हैं, तब व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे आर्थिक रूप से ऊपर उठने लगता है। यह उन्नति अचानक नहीं होती, बल्कि क्रमिक होती है, जैसे नदी पहाड़ों से निकलकर मैदानों में फैलती जाती है।

आर्थिक स्थिति के सुधरने का वास्तविक समय ग्रहों की दशाओं से जुड़ा होता है। जब धन से संबंधित ग्रहों की महादशा या अंतरदशा आती है, तब व्यक्ति की मेहनत को दिशा मिलती है और भाग्य कर्म के साथ जुड़ने लगता है। ऐसे समय में नौकरी में स्थिरता आती है, पद और जिम्मेदारी बढ़ती है, व्यापार में नए रास्ते खुलते हैं और आय के स्रोत अपने आप बनने लगते हैं। कई बार व्यक्ति को स्वयं भी यह समझ नहीं आता कि पहले जहाँ संघर्ष ही संघर्ष था, अब वही प्रयास फल देने लगे हैं। यही वह समय होता है जब कुंडली में छिपी आर्थिक संभावनाएँ सक्रिय होती हैं। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में दूसरा भाव मजबूत है, तो वह धन को संभालना जानता है, बचत करता है और धीरे-धीरे संपत्ति बनाता है। वहीं यदि ग्यारहवाँ भाव बलवान है, तो आय के अवसर बार-बार उसके जीवन में आते हैं। जब दोनों भाव एक साथ शक्ति में होते हैं, तब धन आता भी है और टिकता भी है। ऐसे लोग केवल कमाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने धन से भविष्य की नींव भी मजबूत करते हैं। उनके जीवन में आर्थिक चिंता धीरे-धीरे कम होती जाती है और आत्मविश्वास बढ़ता जाता है।

धन आने के रास्ते भी कुंडली के अनुसार अलग-अलग होते हैं। किसी के लिए नौकरी स्थिर और उन्नति देने वाला माध्यम बनती है, तो किसी के लिए व्यापार, भूमि-जायदाद, कृषि, तकनीक, परामर्श या जनता से जुड़े कार्य धन का आधार बनते हैं। यह सब ग्यारहवें भाव और उसके स्वामी की स्थिति से स्पष्ट होता है। जब यह भाव कर्म और भाग्य से जुड़े ग्रहों के प्रभाव में आता है, तब व्यक्ति अपने प्रयास से ही बड़ी आय अर्जित करता है। वहीं कुछ कुंडलियों में जोखिम लेने की क्षमता होती है, जहाँ कम निवेश से अधिक लाभ की संभावनाएँ बनती हैं। ऐसे लोग अवसरों को पहचानना जानते हैं और समय आने पर साहसिक निर्णय लेकर आगे बढ़ते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

कफ सिरप केस : इनामिया शुभम का वीडियो वायरल

वाराणसी। कोडीन कफ सिरप प्रकरण में वांछित और 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी शुभम जायसवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने से पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। वायरल वीडियो में आरोपी मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत करता हुआ नजर आ रहा है। इस संबंध में डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने शनिवार को बताया कि मीडिया के जरिए पुलिस को उक्त वीडियो की जानकारी मिली है। प्रारंभिक तौर पर यह वीडियो दुबई के किसी होटल का बताया जा रहा है। वीडियो की सत्यता और लोकेशन की पुष्टि के लिए एसआईटी सहित संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है और जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

कोहरे के कारण आपस में टकराए दर्जनभर वाहन

नोएडा। एनसीआर में छाए घने कोहरे के कारण शनिवार सुबह ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक के बाद एक सड़क हादसे हुए। दादरी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं में 12 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर तीन वाहन आपस में भिड़ गए, जबकि समाधिपुर फ्लाईओवर के पास कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से लगभग एक दर्जन वाहनों की टक्कर हो गई। हादसों की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि इन दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सुबह से ही पूरे एनसीआर क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे हाईवे पर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।

महिला की प्रोफाइल बनाकर जालसाज ने 1.2 लाख ठगा

नोएडा। सोशल मीडिया के माध्यम से युवती बनकर बातचीत करने और फिर ब्लैकमेल कर रकम ऐंठने का मामला दनकौर थाना क्षेत्र में सामने आया है। आरोप है कि जालसाजों ने युवक को झांसे में लेकर उससे कुल 1 लाख 20 हजार रुपये की ठगी की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मुनेंद्र कुमार सिंह के अनुसार, राजकुमार नामक युवक ने तहरीर देकर बताया कि उसकी पहचान करन शर्मा निवासी ग्राम औरंगपुर तथा उसके मामा कैलाश शर्मा निवासी ग्राम छिजारसी, सेक्टर-63 से हुई थी। कुछ समय बाद करन शर्मा ने फर्जी नाम और अनजान मोबाइल नंबर से युवती बनकर उससे चैट शुरू की। मीठी बातों और मजबूरी का हवाला देकर उसने पीड़ित से पैसों की मांग की। पीड़ित ने पहली बार 44 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपी ने मुकदमे में फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी देकर दोबारा संपर्क किया और एक लाख रुपये की मांग रखी।

पंकज चौधरी का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बनना तय

इकलौते नामांकन के बाद आज की जाएगी औपचारिक घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने जा रहा है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने नामांकन पत्र प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सौंपा। नामांकन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी का एकमात्र नामांकन होने के कारण उनके निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है। प्रदेश भाजपा के अनुसार नए अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा रविवार को लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी लखनऊ पहुंच चुके हैं। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन प्राप्त हुआ है और रविवार को विधिवत रूप से नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।

केंद्र में वित्त राज्य मंत्री हैं चौधरी

वर्तमान में पंकज चौधरी केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री हैं और विभिन्न संसदीय समितियों में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। पूर्वांचल में कुर्मी और अन्य पिछड़ा वर्गों के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उनके नेतृत्व में प्रदेश संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। राजनीतिक दृष्टि से पंकज चौधरी का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद से जुड़ना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सात बार सांसद रह चुके हैं पंकज

उल्लेखनीय है कि पंकज चौधरी महाराजगंज लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने जा चुके हैं। उनका जन्म 20 नवंबर 1964 को गोरखपुर में हुआ। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1989 में गोरखपुर नगर निगम के पार्षद के रूप में की थी और उपमहापौर भी रहे। वर्ष 1990 में भाजपा से जुड़ने के बाद उन्होंने 1991 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीता। इसके बाद 1996, 1998, 2004, 2014, 2019 और 2024 में जीत दर्ज की, जबकि 1999 और 2009 में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा।

कोहरे की चादर में लिपटी रही बनारस की सुबह

- ठंड में इजाफा, देर से निकली धूप भी बेअसर
- स्कूली बच्चों और यात्रियों की बढ़ी मुसीबत

वाराणसी। धार्मिक नगरी वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल में शनिवार की सुबह घने कोहरे के साथ शुरू हुई। कोहरे की चादर ने दृश्यता को काफी हद तक प्रभावित किया, जिससे सड़क पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही और सुबह आठ बजे तक लोग हेडलाइट जलाकर चलने को मजबूर रहे। धुंध के कारण स्कूली बच्चों और आम यात्रियों को भी खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग पहले ही घने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी कर चुका है और फिलहाल अगले दो दिनों तक मौसम के ऐसे ही बने रहने की संभावना जताई गई है।

पश्चिमी विक्षोभ और पुरवा हवाओं का प्रभाव

यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में कमी और पुरवा हवाओं की गति धीमी होने से कोहरा बढ़ा है। साथ ही आंशिक बादल छाए रहने की भी संभावना है। आगामी चार दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। बनारस और आसपास के जिलों के लिए दो दिनों तक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कोहरे के चलते सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। हालांकि, कोहरे से ढकी सुबह के बीच गंगा घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने लगी है।

जौनपुर में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस

जौनपुर जिले में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे का असर लगातार बना हुआ है। शनिवार को कोहरे की तीव्रता इतनी अधिक रही कि दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले 14 डिग्री था। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़कर 288 तक पहुंच गया है। मौसम विज्ञानी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि तापमान में लगातार गिरावट और करीब तीन किलोमीटर प्रति घंटे की धीमी रफ्तार से चल रही हवाओं के चलते कोहरा छंटने का नाम नहीं ले रहा है।

देश को मिले 491 युवा सैन्य अधिकारी

आईएमए की पासिंग आउट परेड, 34 विदेशी कैडेट भी हुए कमीशन

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी ने शनिवार को अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 157वीं पासिंग आउट परेड (पीओपी) का भव्य आयोजन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर 491 जेंटलमैन कैडेट भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुए, जबकि 14 मित्र देशों के 34 कैडेट अपने-अपने देशों की सेनाओं का हिस्सा बने। इस प्रकार कुल 525 कैडेटों ने प्रशिक्षण पूर्ण कर नई जिम्मेदारियों की ओर कदम बढ़ाया। आईएमए के ऐतिहासिक चेटवुड भवन के सामने स्थित ड्रिल स्क्वायर पर सुबह 9 बजकर 05 मिनट पर परेड का शुभारंभ हुआ। परेड कमांडर अंकित चौधरी के नेतृत्व में कैडेटों ने अनुशासित और जोशीली कदमताल के साथ मैदान में प्रवेश किया। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बतौर समीक्षा अधिकारी परेड की सलामी ली और कैडेटों का निरीक्षण किया। विजय धुन पर कदमताल और देशभक्ति गीतों के बीच परेड का दृश्य अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा। समापन के अवसर पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर नव-नियुक्त अधिकारियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सभी नव-नियुक्त अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने युवा अधिकारियों के उच्च अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और मानसिक-शारीरिक सहनशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि सेना में कमीशन प्राप्त करना केवल प्रशिक्षण का अंत नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य और निःस्वार्थ सेवा की शुरुआत है। उन्होंने अधिकारियों से भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं का निर्वहन निष्ठा, प्रतिबद्धता और सम्मान के साथ करने का आह्वान किया।

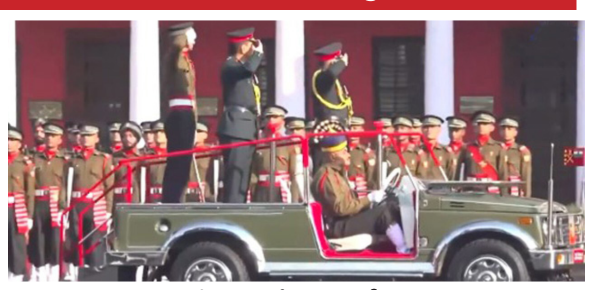

निश्कल द्विवेदी को स्वार्ड आफ आनर

समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को सम्मानित किया गया। स्वॉर्ड ऑफ ऑनर एवं स्वर्ण पदक (मेरिट में प्रथम) एसीए निश्कल द्विवेदी को प्रदान किया गया। रजत पदक बीयूओ बादल यादव और कांस्य पदक एसयूओ कमलजीत सिंह को मिला। टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स में प्रथम स्थान के लिए ऑफिसर कैडेट जाधव सुजीत संपत तथा टेक्निकल एंट्री स्कीम 46 में प्रथम स्थान के लिए डब्ल्यूसीसी अभिनव मेहरोत्रा को रजत पदक से नवाजा गया। स्पेशल कमीशन ऑफिसर कोर्स का रजत पदक ऑफिसर कैडेट सुनील कुमार छेत्री को दिया गया। विदेशी कैडेटों में मेरिट में प्रथम स्थान का सम्मान बांग्लादेश के जेयूओ मोहम्मद सफीन अशरफ को मिला।

14 मित्र राष्ट्रों के कैडेट भी बने अधिकारी

इस समारोह में 157वां रेगुलर कोर्स, 46वां टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वां टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वां स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स तथा टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम 2023 के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कैडेट शामिल थे। इनके साथ 14 मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेटों को भी कमीशन प्रदान किया गया। इस गरिमामय समारोह के साक्षी कैडेटों के गर्वित अभिभावक, परिजन, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और अनेक विशिष्ट अतिथि बने। पारंपरिक 'अंतिम पग' के साथ परेड का समापन हुआ।

फंदे पर लटकता मिला आलमबाग में तैनात सिपाही का शव

- साथी के पहुंचने पर हुई जानकारी, आत्महत्या की वजह अस्पष्ट

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित बरहा कॉलोनी में शुक्रवार देर रात एक पुलिस सिपाही ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आलमबाग थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सरोज के अनुसार, मृतक सिपाही बालकिशन अपने साथी विनोद के साथ किराए के कमरे में रहता था। शुक्रवार को दिन भर वह कमरे पर ही था, लेकिन लगातार फोन करने के बावजूद परिजनों से संपर्क नहीं हो सका। इस पर परिजनों ने रूम पार्टनर को जानकारी दी। बताया गया कि जब विनोद कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

10 माह पहले हुआ था विवाह

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। मृतक का मोबाइल फोन और कमरे में मौजूद अन्य सामान कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। मकान मालिक राकेश सिंह उसी भवन के दूसरे हिस्से में रहते हैं। पुलिस के अनुसार, बालकिशन की फरवरी माह में शादी हुई थी। वह पहले गोमतीनगर थाने में तैनात था और वर्ष 2023 से आलमबाग थाने में ड्यूटी कर रहा था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच जारी है।

बीएचयू परिसर में पेड़ से टकराई बाइक, छात्र की मौत

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक छात्र की जान चली गई, जबकि दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना होलकर भवन के समीप उस समय हुई, जब तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर आम के पेड़ से जा टकराई। मिलते ही लंका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। मृत छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सोनू सुथर के रूप में हुई है, जो बीएचयू में एमपीएड द्वितीय वर्ष का छात्र था। हादसे में गंभीर रूप से घायल मनीष कुमार, राजीव गांधी साउथ कैंपस में बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबैंड्री का छात्र है, जबकि संतोष कुमार बीपीएड द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है और ट्रॉमा सेंटर में उनका इलाज जारी है। बताया गया है कि तीनों छात्र देर रात किसी कार्यक्रम से लौटते समय विश्वविद्यालय परिसर के भीतर ही दुर्घटना का शिकार हो गए।

व्यापार जगत

भारी चुनौतियों के बीच सेल ने बेचा 12.7 मिलियन टन स्टील

- अप्रैल–नवंबर में 14 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2025 के अप्रैल से नवंबर की अवधि में बिक्री के मोर्चे पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। कंपनी की कुल बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 12.7 मिलियन टन तक पहुंच गई है। कंपनी की ओर से शनिवार को जारी जानकारी के अनुसार, वैश्विक बाजार में कीमतों के दबाव और मांग में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बावजूद सेल ने यह उपलब्धि हासिल की है।

नवंबर में 27 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

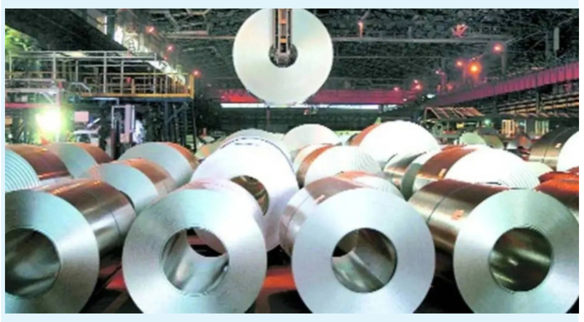

नवंबर माह में बिक्री के आंकड़े विशेष रूप से उत्सा हजनक रहे। इस महीने कुल बिक्री में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि खुदरा बिक्री में वर्ष-दर-वर्ष 69 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखने को मिली। गौरतलब है कि इस्पात मंत्रालय के अधीन सेल झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में स्थित पांच एकीकृत इस्पात संयंत्रों का संचालन करती है। इन संयंत्रों की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन टन से अधिक है, जो कंपनी की मजबूत उत्पादन और आपूर्ति क्षमता को दर्शाती है।

सस्ता हुआ सबसे बड़े बैंक से कर्ज लेना

- SBI ने ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने ग्राहकों को राहत देते हुए अपनी लेंडिंग दरों में कटौती का ऐलान किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा नीतिगत रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कमी के बाद एसबीआई ने भी ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की है। संशोधित ब्याज दरें 15 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी, जिससे होम लोन, ऑटो लोन और अन्य खुदरा ऋण लेने वाले ग्राहकों को सीधा लाभ मिलेगा। बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार, ब्याज दर में इस कटौती के बाद एसबीआई की बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) 0.25 फीसदी घटकर 7.90 फीसदी हो जाएगी।

रियल स्टेट, आटोमोबाइल सेक्टर को मिलेगा बूस्ट

बैंक अधिकारियों के मुताबिक, आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। ब्याज दरों में कमी से ऋण मांग में तेजी आने, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि एसबीआई जैसे बड़े बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती किए जाने से अन्य बैंक भी इसी दिशा में कदम उठा सकते हैं।

एमसीएलआर में भी आंशिक कटौती की घोषणा

इसके साथ ही एसबीआई ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में भी आंशिक कटौती की घोषणा की है। बैंक ने सभी अवधियों के लिए एमसीएलआर में 0.05 फीसदी की कमी की है। इसके तहत एक वर्ष की अवधि वाला एमसीएलआर 8.75 फीसदी से घटकर 8.70 फीसदी हो गया है। इसी तरह अन्य परिपक्वता अवधियों की दरों में भी 0.05 फीसदी तक की कटौती की गई है।

पटरी पर लौट रहा इंडिगो का उड़ान संचालन

शनिवार को 2000 से ज्यादा उड़ानों का संचालन

नई दिल्ली। देश की अग्रणी एयरलाइन इंडिगो ने अपने उड़ान संचालन में स्थिरता बनाए रखते हुए लगातार दूसरे दिन 2,000 से अधिक उड़ानों का सफलतापूर्वक संचालन किया है। एयरलाइन के अनुसार शनिवार को संशोधित उड़ान कार्यक्रम के तहत 2,050 से ज्यादा फ्लाइट्स संचालित की जा रही हैं, जिन्हें सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप तय किया गया है। इंडिगो ने बताया कि पिछले पांच दिनों से उसके परिचालन में निरंतर सुधार और स्थिरता देखने को मिल रही है। वर्तमान में एयरलाइन के 138 ऑपरेशनल गंतव्य पूरी तरह से जुड़े हुए हैं और उड़ानों की समयबद्धता इंडिगो के निर्धारित मानकों के अनुरूप सामान्य बनी हुई है।

एयरलाइन के अनुसार शुक्रवार को भी 2,050 से अधिक उड़ानों का संचालन किया गया था। इस दौरान केवल दो फ्लाइट्स तकनीकी कारणों से रद्द करनी पड़ीं, जिनके यात्रियों को तत्काल वैकल्पिक उड़ानों में समायोजित कर दिया गया। इंडिगो ने भरोसा जताया है कि आने वाले दिनों में भी उड़ान संचालन सुचारु और स्थिर बना रहेगा।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली। भारतीय म्यूचुअल फंड एसोसिएशन (एम्फी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में निवेश की गति में हल्की सुस्ती देखने को मिली है। इसकी प्रमुख वजह अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आई नरमी मानी जा रही है। इसके बावजूद भारतीय निवेशकों का भरोसा सोने पर बना रहा और उन्होंने गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश जारी रखा। एम्फी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर और अक्तूबर की तुलना में नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश घटा है। नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में करीब 3,742 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जबकि अक्तूबर में यह आंकड़ा 7,743 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह गोल्ड ईटीएफ में निवेश लगातार सातवें महीने जारी रहा, हालांकि रफ्तार में कमी आई है। यह गिरावट ऐसे समय में सामने आई है।

म्यूचुअल फंड में निवेश मजबूत

गोल्ड ईटीएफ के साथ-साथ म्यूचुअल फंड उद्योग में भी निवेशकों की सक्रियता बनी हुई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक सक्रिय रूप से प्रबंधित इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में नवंबर महीने के दौरान 29,911.05 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अक्तूबर में दर्ज 24,690.33 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 21 प्रतिशत अधिक है। एम्फी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट चलसानी ने बताया कि गोल्ड ईटीएफ में निवेश जारी है, लेकिन इसकी रफ्तार पहले के मुकाबले धीमी हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर में मजबूती के चलते वैश्विक बाजार में सोने की कीमतों में नरमी आई, जिससे निवेश की गति प्रभावित हुई। इसके अलावा, निवेशकों को सोने में रिटर्न एक सीमित दायरे में मिलने की अपेक्षा के कारण भी निवेश की रफ्तार कुछ कम रही। हालांकि, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी अभी भी सुरक्षित निवेश विकल्प बने हुए हैं।

CBDT ने आयकरदाताओं को जारी की चेतावनी

फर्जी कटौती और दान दावों पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सख्त

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न में फर्जी कटौती और छूट के दावों पर शिकंजा कसते हुए करदाताओं को सतर्क किया है। बोर्ड ने विशेष रूप से फर्जी दान (डोनेशन) के आधार पर किए जा रहे गलत दावों को लेकर अलर्ट जारी किया है और आयकरदाताओं को एसएमएस व ई-मेल के माध्यम से चेतावनी भेजी जा रही है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि फर्जी दान रैकेट और संदिग्ध बिचौलियों के सामने आने के बाद सीबीडीटी ने करदाताओं से अपील की है कि वे स्वेच्छा से ऐसे गलत दावों को वापस लें। विभाग के अनुसार, फर्जी कटौती के कारण न केवल जांच की प्रक्रिया शुरू हुई है, बल्कि चालू वर्ष में आयकर रिटर्न की प्रोसेसिंग भी प्रभावित हुई है, जिससे रिफंड में देरी हो रही है। इसी क्रम में 12 दिसंबर से करदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी पर एडवाइजरी भेजी जा रही है।

विभाग में दर्ज करवाएं मोबाइल नंबर

सीबीडीटी ने करदाताओं को यह भी सलाह दी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उनका सही मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी दर्ज हो, ताकि किसी भी आधिकारिक सूचना से वे वंचित न रहें। डिडक्शन से जुड़े नियमों और अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल करने की विस्तृत जानकारी आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometax.gov.in पर उपलब्ध है।

पलटवार के लिए तैयार टीम इंडिया

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा टी-20 मुकाबला आज
- कप्तान सूर्यकुमार और उपकप्तान शुभमन से बड़ी पारी की उम्मीद
- गेंदबाजों को भी दिखाना होगा दम

एजेंसी । धर्मशाला

टी-20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है। मौजूदा चैंपियन भारत के लिए अपने खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। सूर्यकुमार की टीम अभी तक अपना संयोजन तैयार नहीं कर पाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी-20 जीतने के बाद दूसरे में टीम बुरी तरह लड़खड़ा गई। तिलक को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। गेंदबाज भी बेरंग रहे। अब रविवार को धर्मशाला में होने वाले तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम पलटवार को उतरेगी। भारतीय टीम का शीर्ष क्रम अभी तक पूरी तरह से नाकाम रहा है। कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश है तो उपकप्तान गिल भी फटाफट क्रिकेट में छाप नहीं छोड़ पा रहे हैं। गिल युवा ओपनर अभिषेक के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में नाकाम रहे हैं। अभिषेक भी छोटे स्कोर को बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहे हैं। गेंदबाज खासकर पेसर रन रोकने में असफल रहे हैं। दूसरे टी-20 में जहां दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने भारत के सभी दस विकेट चटकाए वहीं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पेसरों में शुमार बुमराह और अर्शदीप विकेट के लिए तरसते रहे। दोनों ने मिलकर 99 रन लुटा दिए। टीम को अब अगर वापसी करनी है तो गिल को अभिषेक के साथ अच्छी शुरुआत दिलानी होगी। सूर्य को भी मोर्चे से अगुआई करनी होगी। गेंदबाजों को विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाना होगा।

क्या कुलदीप पर लगाएंगे दांव?

भारतीय टीम प्रबंधन आठवें क्रम तक बल्लेबाजी करने की क्षमता वाला खिलाड़ी चाहता है। ऐसे में कलाई के खब्बू स्पिनर कुलदीप को फिर बाहर बैठना पड़ सकता है। चक्रवर्ती के साथ उन्हें खिलाने से बल्लेबाजी संतुलन बिगड़ सकता है। अर्शदीप का प्रदर्शन इस सीरीज में खास नहीं रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या टीम प्रबंधन बुमराह के साथ नई गेंद हार्दिक को सौंपते हुए, कुलदीप के लिए एकादश में जगह बना पाता है या नहीं।

नंबर गेम

1 मुकाबला दक्षिण अफ्रीका ने धर्मशाला में खेला है जिसमें भारत को सात विकेट से धोया था

3 मैच भारतीय टीम ने एचपीसीए के इस खूबसूरत स्टेडियम में खेले हैं जिसमें से दो जीते एक हारा है

10 साल बाद दोनों टीमें यहां खेलेंगी। पिछली बार 2015 में आमने-सामने हुई थी, जिसमें मेहमान टीम जीती थी

19 मैच इस साल टीम ने खेले हैं जिसमें से 13 जीते और सिर्फ तीन हारे हैं। दो बेनतीजा, टाई रहा

50 विकेट टी-20 में पूरे करने से वरुण चक्रवर्ती सिर्फ एक दूर हैं। वह 31 मैचों में 6.88 की इकोनॉमी से 49 विकेट ले चुके हैं

आमने-सामने

कुल मैच	: 33
भारत जीता	: 19
दक्षिण अफ्रीका जीता	: 13
बेनतीजा	: 1

गिल के लिए आसान नहीं राह

गिल को तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना तय है लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। वह अगर लय हासिल करने में विफल रहते हैं तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है। धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है। बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच, यानसेन, एनगिडी, बार्टमैन और लुथो जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए।

अब और प्रयोग नहीं

भारतीय कोच गंभीर की पहचान मजबूत फैसले लेने की है लेकिन दूसरे टी-20 में अक्षर को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए भेजने को एक बड़ी रणनीतिक चूक की तरह देखा जा रहा है। इस फैसले की काफी आलोचना हुई है। उम्मीद है कि तीसरे मैच में इस तरह का प्रयोग देखने को नहीं मिलेगा। सूर्यकुमार के फिर से नंबर तीन पर लौटने की संभावना है, जहां उन्होंने काफी सफलता हासिल की है। इसी तरह बल्लेबाजी क्रम में अत्यधिक फेरबदल के चलते दुबे को नंबर आठ पर भेजना भी एक कमजोर फैसला रहा, जिसे अगले मैच में सुधारने की जरूरत होगी।

डिकॉक को रोकना होगा

वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम को एक बार फिर अपने ओपनर और विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारतीय गेंदबाजों को उन्हें जल्द आउट करना होगा। उनके साथ ही कप्तान मार्करम, स्टब्स और ब्रेविस और मिलर से भी संभल कर रहना होगा। गेंदबाजी में एडगिडी और बार्टमैन के साथ यानसेन भी रंग में हैं।

दक्षिण अफ्रीका 200 बनाने वाली इकलौती टीम

धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में कुल दस मुकाबले खेले गए हैं। इनमें सिर्फ एक बार में 200 से अधिक रन बने। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ही इस स्टेडियम में पहले ही मुकाबले में अक्तूबर 2015 में तीन विकेट पर 200 रन बनाए थे। उसने यह रन भारत से मिले 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाए थे। यहां सिर्फ दो शतक लगे हैं जो भारत के रोहित शर्मा और बांग्लादेश के तमीम इकबाल ने जड़े हैं।

हार्दिक सौवें विकेट से एक दूर

हार्दिक टी-20 में 100 विकेट लेने और 100 छक्के जड़ने वाले पहले भारतीय बनने से एक विकेट दूर हैं। वह अगर एक विकेट लेने में सफल रहते हैं तो जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और मलेशिया के वीरानदीप सिंह के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। साथ ही सौ विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय। अर्शदीप और बुमराह ही अब तक यह मुकाम हासिल कर पाए हैं। यही नहीं 61 रन बनाते ही वह फटाफट क्रिकेट में दो हजार रन भी पूरे कर लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

स्पाइडर्स क्रिकेट एसोसिएशन अंतिम विजेता

मुंबई। स्पॉईडर्स क्रिकेट एसोसिएशन ने फाइनल में कॉमरेड्स क्रिकेट क्लब को एक रन से पराजित करके एमसीसी टैलेन्ट सर्च बॉयज अंडर-14 क्रिकेट लीग के खिताब पर कब्जा कर लिया। ओवल मैदान पर टॉस जीतकर कॉमरेड्स क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। उनकी ओर से गेंदबाजों ने बेहतर गेंदबाजी की और 39.5 ओवर में स्पॉईडर्स क्रिकेट क्लब को 137 रनों से आगे नहीं बढ़ने दिया। धैर्य पाटिल ने 31 रनों और आकाश मौर्या ने 24 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजों की मददगार पिच पर लेग स्पिनर समर्थ पिसे ने 26 रनों पर चार विकेट झटके और कॉमरेड्स क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 39.3 ओवर में 136 रनों पर सिमट गई। समर्थ पिसे को मैच का सर्वोत्तम खिलाड़ी घोषित किया गया तथा आरव ऐवर्कर प्रतियोगिता के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने।

इंडियन 1000 गिनीज : फिनबोस बेजोड़

मुंबई। रविवार को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर आयोजित पहली इंडियन क्लासिक घुड़दौड़ 1000 गिनीज पर देश के अन्य घुड़दौड़ केन्द्रों पर फैला 'ग्लान्डर्स' जैसी भयानक संक्रमण बीमारी की खतरा साफ देखा जा सकता है, क्योंकि सिर्फ छह दौड़ों का आयोजन हो रहा है, जिसमें कुल 42 घोड़ों की हिस्सेदारी है। लंबे समय के बाद विजेता के लिए 45 लाख रुपए की राशि दांव पर रखी गई है। दौड़ में चैंपियन प्रशिक्षक पेसी श्रॉफ द्वारा प्रशिक्षिच फिनबोस बेजोड़ है और उसके जीत की प्रबल संभावना है। पहली दौड़ दोपहर 2.30 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार है: 1- ईवाल्डो (प्र.), शुभांकर (द्वि.), 2- सबस्टेन्सियल (प्र.), ईगल डे (द्वि.), 3- जेड (प्र.), कॉन्स्टेबल (द्वि.), 4- फिनबोस (प्र.), किंग्स गैम्बिट (द्वि.), 5- बी मैजिकल (प्र.), ईलुसिव ऑर्ट (द्वि.), 6- स्टॉर इम्पैक्ट (प्र.), फिंच (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम: फिनबोस।

टेनिस प्रीमियर लीग को ग्लोबल बना सकते हैं : पेस

अहमदाबाद। टेनिस प्रीमियर लीग के दौरान भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस और महेश भूपति लंबे समय बाद एक साथ नजर आए। 18 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता लिएंडर पेस ने कहा कि आने वाले समय में इस लीग को वैश्विक स्तर पर ले जाने की पूरी संभावना है। उन्होंने बताया कि टेनिस प्रीमियर लीग को अबू धाबी, दुबई और सिंगापुर जैसे अंतरराष्ट्रीय शहरों तक विस्तार दिया जा सकता है, साथ ही बड़े स्पॉन्सर जोड़कर इसे और पहचान दिलाई जा सकती है।

सेतमिका के 'पंच' से श्रीलंका ने नेपाल को शिकस्त दी

- 211 गेंदें शेष रहते श्रीलंकाई टीम ने जीत दर्ज की
- 05 विकेट सेतमिका सेनेविरत्ने ने 25 रन पर लिए

एजेंसी । दुबई

सेतमिका सेनेविरत्ने (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद दिमांता महाविताना (नाबाद 39) और कविजा गमागे (24) के दमदार प्रदर्शन से श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप में नेपाल को आठ विकेट से हरा दिया।

मैच विजयी साझेदारी

शनिवार को ग्रुप बी मुकाबले में श्रीलंका ने 211 गेंदें शेष रहते बड़ी जीत दर्ज की। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 14.5 ओवर में दो विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमांता महाविताना ने 49 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। कविजा गमागे ने 29 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 24) रन बनाए।

सर्वाधिक अतिरिक्त

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल की टीम को 28.5 ओवर में 82 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया। दिलचस्प बात यह कि टीम की ओर से सर्वाधिक योगदान अतिरिक्त (19) रनों का रहा। बल्लेबाज सिबरिन श्रेष्ठ ने सर्वाधिक 18 रनों की पारी खेली।

बॉलीवुड

ईयर थंडर 2025

अभिनय के दम पर ओटीटी पर चमके ये सितारे

2025 ओटीटी की दुनिया के लिए एक खास साल रहा। इस साल मजबूत कहानियों और शानदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता। कहीं रोमांच से भरी थ्रिलर सीरीज रहीं, तो कहीं इंडस्ट्री पर बनी दिलचस्प कहानियां और भावनाओं से जुड़े किरदार देखने को मिले। बड़े कलाकारों ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपने अभिनय से अलग पहचान बनाई। साल के आखिर तक ये कलाकार अपनी दमदार मौजूदगी, अलग-अलग तरह के रोल निभाने की काबिलियत और स्क्रीन पर पूरी पकड़ के कारण सबसे ज्यादा चर्चा में रहे।

मोना सिंह : मोना सिंह 2025 में द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के साथ ओटीटी की सबसे असरदार कलाकारों में शामिल रहीं। सच्चाई और मजबूती को साथ दिखाने की उनकी कला इस किरदार में साफ नजर आई। फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक और भागदौड़ के बीच उनका अभिनय बहुत सहज और सटीक रहा। उनके किरदार में भावनाएं, समझ और शांत भरोसा दिखा, जिसने फिर साबित किया कि डिजिटल दुनिया में वह क्यों एक भरोसेमंद और मजबूत कलाकार मानी जाती हैं।

जयदीप अहलावत: जयदीप अहलावत ने ज्वेल थीफः द हाइस्ट बिगिन्स के जरिए ओटीटी पर एक बार फिर अपनी मजबूत पहचान दिखाई। उन्होंने अपने किरदार में गंभीरता और रहस्य दोनों को बहुत सादगी से पेश किया। शांत रहते हुए भी उनका अभिनय असरदार रहा और कहानी को और मज़बूत बना गया। उनकी मौजूदगी ने फिल्म को खास बना दिया और उनका किरदार दर्शकों के बीच खूब चर्चा में रहा। इससे यह साफ हो गया कि जयदीप अहलावत एक भरोसेमंद और दमदार अभिनेता हैं।

मनोज बाजपेयी: मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन सीज़न 3 के साथ ओटीटी पर शानदार वापसी की। वह एक बार फिर ऐसे किरदार में दिखे, जिससे दर्शक तुरंत जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहानी में तनाव, हल्की कॉमेडी और भावनाओं को बहुत सधे हुए तरीके से पेश किया। उनका अभिनय जाना-पहचाना होते हुए भी नया और असरदार लगा। भावनाओं को सरल और सच्चे ढंग से दिखाने की उनकी क्षमता ने इस सीज़न को और भी मजबूत बना दिया।

बॉबी देओल: 2025 में द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के साथ बॉबी देओल का डिजिटल सफर एक नई ऊँचाई पर पहुंचा। महत्वाकांक्षा, घमंड और अंदर की कमजोरी से जुड़े किरदार में बॉबी ने बेहद सच्चा अभिनय किया। उनके काम में अनुभव और ठहराव साफ दिखा। व्यंग्य और हकीकत से जुड़ी कहानी में उन्होंने पूरे भरोसे के साथ अपनी छाप छोड़ी और अपने शांत लेकिन असरदार अभिनय के लिए खूब तारीफ पाई।

नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी: नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी ने कोस्टाओ में दर्शकों का दिल जीत लिया। उनका अभिनय सधा हुआ, भावनात्मक और सोचने पर मजबूर करने वाला है। अपने बेखौफ किरदारों के लिए जाने जाने वाले नवाज़ुद्दीन ने इस रोल को पूरी सच्चाई के साथ निभाया। उनकी भावनाओं की सादगी और शांत लेकिन असरदार अदाकारी की वजह से कोस्टाओ 2025 के सबसे बेहतरीन अभिनय वाले ओटीटी प्रोजेक्ट्स में गिना जा रहा है।

शबाना आज़मी: शबाना आज़मी ने डब्बा कार्टेल के ज़रिए ओटीटी पर अपनी मजबूत मौजूदगी को फिर साबित किया। उन्होंने अपने अनुभव, आत्मविश्वास और गहरी भावनाओं के साथ कहानी को संभाला। उनकी अदाकारी ने पूरे कलाकार समूह को मजबूती दी और यह याद दिलाया कि वह क्यों आज भी हर पीढ़ी में भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

सैफ अली खान : सैफ अली खान ने ज्वेल थीफः द हाइस्ट बिगिन्स के साथ ओटीटी पर दमदार वापसी की। उनका किरदार स्टाइलिश होने के साथ-साथ जमीन से जुड़ा हुआ भी था। सैफ ने अपने अभिनय में आकर्षण, चालाकी और गहराई को अच्छे से दिखाया। उनकी परफॉर्मेंस में मेनस्ट्रीम अपील और सधा हुआ अभिनय दोनों नजर आए, जिससे यह साफ हुआ कि बदलते ओटीटी दौर में भी वह खुद को ढालने में माहिर हैं और एक बहुमुखी कलाकार बने हुए हैं।

जैसे-जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन का भविष्य तय कर रहे हैं, वैसे-वैसे 2025 में इन कलाकारों ने मजबूत कहानियां चुनकर और यादगार परफॉर्मेंस देकर खास पहचान बनाई है। इनके किरदार क्रेडिट रोल होने के बाद भी दर्शकों के दिल और दिमाग में बने रहे। ऐसे में यह ईयर एंडर उन कलाकारों का जश्न है, जिन्होंने सच में डिजिटल स्क्रीन पर कमाल कर दिखाया है।

फिल्मी सफ़र से मोहब्बत, निजी रिश्तों से दूरीः नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड एक्टर नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी अपने वर्सटाइल और दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाते हैं। छोटे-छोटे किरदारों से करियर शुरू करने वाले नवाज़ आज लीड रोल में भी दर्शकों को लंबे समय से प्रभावित कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने अभिनय के तरीके और किरदारों से जुड़ी चुनौतियों पर खुलकर बात की। नवाज़ुद्दीन ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके भीतर भी बाकी एक्टर्स की तरह 'ऑन-ऑफ का बटन' होता। उन्होंने बताया कि कई कलाकार सीन खत्म होते ही अपने किरदार से बाहर आ जाते हैं, लेकिन उनके साथ ऐसा नहीं होता। उनका किरदार दिमाग के किसी न किसी कोने में बना रहता है और उसे भूलने में समय लगता है। उन्होंने कहा, ₹काश मैं भी शूट खत्म होते ही नॉर्मल हो पाता।

एक्टर ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें असल दुनिया की तुलना में फिल्मी दुनिया में रहना ज्यादा पसंद है। कई बार लगातार दो महीने तक शूटिंग चलती है और जब नया प्रोजेक्ट शुरू होता है, तो पुराने सेट और कहानी से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। यह उनके लिए अब एक आदत बन चुकी है।

नवाज़ुद्दीन इन दिनों नेटफ्लिक्स की फिल्म 'रात अकेली है' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म एक अमीर परिवार के मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है, जहां एक ही रात में पूरा परिवार मारा जाता है और सिर्फ मीरा बंसल नाम की लड़की बचती है। नवाज़ फिल्म में इंस्पेक्टर जतिल यादव के किरदार में नजर आएंगे।

पैपराजी कल्चर पर हुमा कुरैशी की प्रतिक्रिया

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है। हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए।

तिरुवनंतपुरम में ढह गया वामपंथ का 'किला'

निकाय चुनाव

▸▸ शशि थरूर के गढ़ में बीजेपी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल के स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी में नया जोश भर दिया है। भगवा दल के नेतृत्व वाले एनडीए ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह सीट पिछले 45 वर्षों से सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ के कब्जे में थी। 101 वार्डों वाले निगम में बीजेपी ने 50 वार्ड जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई, जबकि एलडीएफ को 29 और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को केवल 19 वार्डों पर संतोष करना पड़ा। दो निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी रहे। उल्लेखनीय है कि तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ माना जाता है और कई बार यहां से जीत हासिल कर चुके हैं।

अन्य नगरपालिकाओं में भी एनडीए की बढ़त

तिरुवनंतपुरम के अलावा एनडीए ने पलक्कड नगरपालिका में अपना कब्जा बरकरार रखा, जहां करीबी मुकाबले में यूडीएफ को शिकस्त दी गई। वहीं तिरुपुनुत्थापुरा नगरपालिका सीट भी एनडीए ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ से छीन ली। हालांकि तिरुवनंतपुरम निगम में बीजेपी निर्णायक बहुमत से सिर्फ एक सीट पीछे रह गई है, फिर भी यह जीत पार्टी के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

त्रिशूर में भी दिखा बीजेपी का असर

अभिनेता-राजनेता सुरेश गोपी ने पिछले साल लोकसभा चुनाव जीता था, भाजपा ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। पार्टी ने कोडुंगल्लूर नगरपालिका में 46 में से 18 वार्ड, त्रिशूर निगम में 8 वार्ड, गुरुवयूर और वडक्कनचेरी नगरपालिकाओं में दो-दो, कुन्नमकुलम में 7, इरिंजलाकुडा में 6 और चलाकुडी नगरपालिका में एक वार्ड जीता। इसके अलावा पार्टी ने ब्लॉक पंचायतों में 4 और ग्राम पंचायतों में 167 वार्डों में जीत दर्ज की।

राज्यभर में बढ़ता जनाधार, विधानसभा चुनाव की तैयारी

राज्य चुनाव आयोग के दोपहर 2.30 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व वाले मोर्चे ने केरल में कुल 1,085 ग्राम पंचायत वार्ड और 44 ब्लॉक पंचायत वार्ड जीते हैं। इनमें कोल्लम, कोझिकोड, कन्नूर और कोच्चि जैसे बड़े नगर निगमों के वार्ड भी शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तिरुवनंतपुरम निगम में एलडीएफ सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार को लेकर चलाया गया भाजपा का अभियान कारगर साबित हुआ। यह परिणाम अगले साल होने वाले केरल विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के लिए मजबूत संकेत माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया ऐतिहासिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग को विजयी बनाने के लिए केरल के लोगों को धन्यवाद दिया है और कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा है कि लोगों को यकीन है कि राज्य की विकास की आकांक्षाओं को राजग ही पूरा कर सकता है। तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में राजग की जीत के बाद पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में इस जीत को ऐतिहासिक क्षण करार दिया।

राज्य की पहली महिला डीजीपी श्रीलेखा की जीत से भाजपा को बढ़त

केरल की पहली महिला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रहीं आर श्रीलेखा की जीत इस चुनाव की सबसे चर्चित उपलब्धियों में रही। उन्होंने सस्थामंगलम वार्ड से भाजपा की उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। उनकी सफलता को राजधानी तिरुवनंतपुरम में वाम मोर्चे को सत्ता से बाहर करने की दिशा में एक प्रतीकात्मक और मजबूत बढ़त के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलेखा इसी वर्ष भाजपा में शामिल हुई थीं। उनका सक्रिय राजनीति में आना और सीधे नगर निगम चुनाव लड़ना राजनीतिक हलकों में चौंकाने वाला कदम माना

शशि थरूर ने भाजपा को बधाई दी

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, नतीजे शानदार रहे। जनादेश साफ है और राज्य की लोकतांत्रिक भावना साफ झलकती है। पूरे राज्य में प्रभावशाली जीत के लिए यूडीएफ को हार्दिक बधाई। मैं तिरुवनंतपुरम में भाजपा के ऐतिहासिक प्रदर्शन को भी स्वीकार करता हूं और नगर निगम में उनकी अहम जीत पर बधाई देता हूं। यह राजधानी की राजनीति में एक उल्लेखनीय बदलाव है। उन्होंने कहा, मैंने 45 वर्षों के वाम मोर्चे के कुशासन के खिलाफ बदलाव के लिए अभियान चलाया था, लेकिन मतदाताओं ने एक और पार्टी को चुना, जो शासन में बदलाव चाहती थी। यही लोकतंत्र की

"तिरुवनंतपुरम नगर निगम में हमने पिछले चुनाव की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। सीपीएम के खराब प्रदर्शन की वजह उनके खिलाफ मजबूत सत्ता विरोधी लहर है। उनकी नीतियां ऐसी हैं कि वे पूरी तरह केंद्र सरकार का समर्थन कर रहे हैं। मुझे लगता है कि कुछ जगहों पर उनके कैडर ने भाजपा को वोट दिया, इसलिए ऐसे नतीजे आए। हम इसके खिलाफ लड़ेंगे।

– केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस महासचिव

"एलडीएफ को अपेक्षित नतीजे नहीं मिल पाए। हम पूरे राज्य में मजबूत जीत की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसके कारणों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। तिरुवनंतपुरम में एनडीए की बढ़त और चुनाव प्रचार के दौरान सांप्रदायिकता का असर, धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वालों के लिए चिंता का विषय है।

– पिनराई विजयन, मुख्यमंत्री, केरल

"स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे पार्टी के लिए एक अप्रत्याशित झटका हैं। सबसे पहले हम परिणामों का आकलन करेंगे और सुधारात्मक कदम उठाएंगे। एलडीएफ को पहले भी चुनावी झटकों से उबरने का अनुभव रहा है और इस बार भी जरूरी सुधार कर आगे बढ़ेंगे।

– एमवी गोविंदन, सीपीआई(एम) नेता

न्यूज़ ब्रीफ

गंगा बाढ़ क्षेत्र के सीमांकन में देरी पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। एनजीटी ने गंगा नदी के बाढ़ क्षेत्र के सीमांकन से जुड़े लंबित मुद्दों पर गंभीर चिंता जताई है। साथ ही उत्तराखंड के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर मामले का समाधान करने का निर्देश दिया है। एनजीटी ने कहा कि बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद लगभग दो वर्षों से इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। यह निर्देश उस याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में गंगा नदी के बाढ़ क्षेत्र के भीतर आवासीय अपार्टमेंटों के निर्माण का आरोप लगाया गया है। याचिका में इससे पर्यावरणीय नुकसान और प्रदूषण की आशंका जताई गई है।

कच्छ में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को 3.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप का झटका दोपहर 2:47 बजे आया, जिसका केंद्र जिले के गढ़शीशा से 13 किलोमीटर उत्तर उत्तर-पूर्व (एनएई) में था। कच्छ में इस माह रिक्टर पैमाने पर तीन से अधिक तीव्रता का महसूस किया गया यह पांचवा भूकंप है। आईएसआर के अनुसार, शुक्रवार को जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया, जबकि बुधवार को 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर होगा बंगाल के लोक भवन के एक द्वार का नाम

कोलकाता। बंगाल के राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे होने उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले जश्न कार्यक्रमों की घोषणा की है। इसी के साथ राज्यपाल ने लोक भवन (पूर्व में राजभवन) के दक्षिण-पश्चिम द्वार का नाम बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। लोक भवन के एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल रविवार को लोक भवन में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम में दक्षिण-पश्चिम द्वार का नाम औपचारिक रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर रखेंगे।

आलंद वोटर लिस्ट गड़बड़ी मामला

22000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

कर्नाटक के पूर्व बीजेपी एमएलए पर कॉल सेंटर बनाकर वोट डिलीट करने का आरोप

एजेंसी । बेंगलुरु

एसआईटी ने आलंद सीट पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी मामले में एडीशनल चीफ मोट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (ACMM) कोर्ट में शनिवार को 22 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। जांच में पूर्व बीजेपी विधायक सुभाष गुट्टेदार और उनके बेटे हर्षानंद को मुख्य आरोपी बनाया गया है। उनपर वोटर लिस्ट से वैध वोटर डिलीट करने का आरोप है। चार्जशीट में सुभाष गुट्टेदार के पर्सनल सेक्रेटरी टिप्परुद्र, कलबुर्गी के तीन डेटा सेंटर ऑपरेटर - अकरम पाशा, मुकरम पाशा और मोहम्मद अशफाक और पश्चिम बंगाल के बापी आद्या पर भी मामले में शामिल होने का आरोप है।

5,994 वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश

एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक 2023 विधानसभा चुनाव से पहले 5,994 वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश हुई। इसके लिए कलबुर्गी में एक कॉल सेंटर नेटवर्क बनाया गया, जहां से फर्जी डिलीशन एप्लिकेशन डाली गईं।

राहुल गांधी ने लगाए थे आरोप

इसी साल 18 सितंबर को राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 2023 कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़

फर्जी ट्रेडिंग से करोड़ों की ठगी

- ▸▸ आईएफएसओ ने दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र और बेंगलुरू से नौ जालसाज दबोचे
- ▸▸ 5 करोड़ रुपये के लेन-देन की जानकारी जांच में सामने आई

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (IFSO) यूनिट ने फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। शुरुआती जांच में करीब पांच करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन दिल्ली, तीन राजस्थान, दो महाराष्ट्र और एक बेंगलुरु का निवासी है। सभी आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, वित्तीय नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय कड़ियों की तलाश में जुटी है।

डिजिटल साक्ष्यों से बड़े साइबर रैकेट के संकेत

आईएफएसओ यूनिट के डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र निवासी सुल्तान सलीम शेख और सतीश कुमार, बेंगलुरु निवासी सैयद अहमद चौधरी, दिल्ली निवासी तुषार मलिया, शिवम और सुनील, तथा राजस्थान निवासी परभू दयाल, तरुण शर्मा और सुरेश कुमार कुमावत शामिल हैं। आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन, आपत्तिजनक चैट, कई चेकबुक, डेबिट कार्ड, बैंक से जुड़े अहम दस्तावेज और बेंगलुरु पुलिस का एक नोटिस बरामद किया गया है।डीसीपी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि दिल्ली के द्वारका इलाके के एक होटल से साइबर ठगी गिरोह संचालित हो रहा है।

नक्सल रोधी कार्रवाई में 92 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विभिन्न एजेंसियों की समन्वित कार्रवाई के तहत नक्सलियों की 92 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। केंद्र सरकार ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि इस कार्रवाई से अर्बन नक्सलियों को भी गंभीर नैतिक व मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा है और उनके सूचना नेटवर्क पर नियंत्रण कड़ा कर दिया गया है। मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह नक्सल-मुक्त बनाने के दृढ़ लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने एनआईए में एक समर्पित प्रकोष्ठ का गठन किया है। इस सेल ने 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्य के प्राधिकारियों ने अतिरिक्त 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं ईडी ने 12 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। सरकार ने बताया कि वर्ष 2014 में जहां 36 जिले नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित थे, वहीं 2025 में ऐसे केवल तीन जिले शेष रह गए हैं।

'6 जनवरी को सीएम बनेंगे डीके शिवकुमार'

▸▸ कांग्रेस विधायक के दावे से कर्नाटक में चढ़ा सियासी पारा

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्नाटक में पिछले कई दिनों से सियासी संग्राम अपने चरम पर था, जब मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को लेकर खबरें आ रही थी कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है और ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री रहने वाले फॉर्मूले को लेकर कांग्रेस के अंदर उठा-पटक चल रही थी। इसके बाद सिद्दरमैया द्वारा शिवकुमार को ब्रेकफास्ट पर बुलाने और फिर कांग्रेस आलाकमान द्वारा दोनों को स्थिति ठीक करने के निर्देश के बाद माहौल शांत हो गया था। लेकिन, अब एक बार फिर से सियासी पारा चढ़ सकता है। कर्नाटक के रामनगरा से कांग्रेस विधायक एचए इकबाल हुसैन ने बड़ा दावा किया है कि 6 जनवरी को शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

इकबाल हुसैने ने क्या आशंका जताई?

शनिवार को इकबाल हुसैन ने आशंका जताई है कि सीएम सिद्दरमैया अपना पद छोड़ सकते हैं और इसके बाद शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 99% चांस है कि शिवकुमार 6 जनवरी को सीएम बन सकते हैं। बता दें, इकबाल हुसैन को शिवकुमार का कट्टर समर्थक माना जाता है। जब उनके 6 जनवरी की तारीख के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह तारीख कैसे सामने आई इसके बारे में पता नहीं, लेकिन सब यही बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि या तो 6 जनवरी को नहीं तो 9 जनवरी को वो सीएम बन सकते हैं। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने खुले तौर पर शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की मांग की थी।

रिटायर्ड वायुसेना कर्मी गिरफ्तार

▸▸ पाकिस्तान से तार जुड़े होने के आरोप

एजेंसी । तेजपुर

असम पुलिस ने एक रिटायर्ड भारतीय वायु सेना के जवान को पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिचरण भूमिज ने शनिवार (13 दिसंबर) को बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंटों के साथ संवेदनशील दस्तावेज और जानकारी साझा की थी। पुलिस ने आरोपी का लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। एएसपी भूमिज ने बताया कि डिवाइस को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, हालांकि कुछ डाटा डिलीट कर दिया गया है।

सेहत | डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने किया अध्ययन

सर्दी का वायरस दे सकता है दिल का रोग

▸▸ आरएसवी संक्रमण से दिल का दौरा, स्ट्रोक और हार्ट फेलियर का खतरा अधिक

एजेंसी । कोपेनहेगन

अगर आपको सामान्य सर्दी या खांसी होती है, तो उसे सिर्फ मौसम बदलने की मामूली परेशानी समझकर नजरअंदाज न करें। डेनमार्क में स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने इस संबंध में एक अध्ययन किया। उनके मुताबिक, रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी), जो आम तौर पर सर्दी-जुकाम का कारण बनता है, वह दिल के लिए बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। यह वायरस दिल का दौरा, स्ट्रोक और हार्ट फेलियर जैसी जानलेवा दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है।

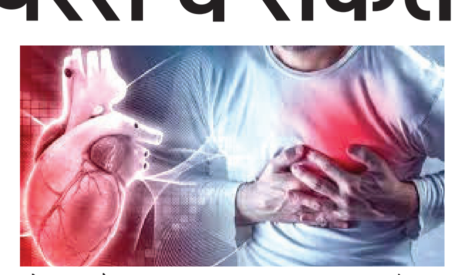

संक्रामक वायरस है आरएसवी

आरएसवी एक बहुत ही सामान्य और संक्रामक वायरस है। यह हर साल पतझड़ के मौसम में, ठीक फ्लू की तरह दुनिया भर में फैलता है। यह वायरस खांसी और छींक से निकलने वाली बूंदों से फैलता है और सतहों पर सात घंटे तक जीवित रह सकता है। ब्रिटेन में हर साल लगभग 30,000 बच्चों और 18,000 वयस्कों को इस वजह से अस्पताल जाना पड़ता है। अनुमान है कि 8,000 वयस्कों की मौत में भी यही कारण होता है।

मरीजों के डाटा का किया विश्लेषण

विशेषज्ञों ने इस वायरस के एक नए और गंभीर खतरे पर प्रकाश डाला है। उन्होंने 45 साल से अधिक उम्र के 17,000 से ज्यादा मरीजों पर नजर रखी और पाया कि जिन लोगों को आरएसवी संक्रमण हुआ था, उनमें संक्रमण के एक साल बाद दिल का दौरा, स्ट्रोक या हार्ट फेलियर होने का खतरा काफी ज्यादा था।

केरल में लेप्टोस्पायरोसिस का कहर

2025 में आए 3259 मामले और 209 लोगों की मौत

केंद्र ने अलर्ट किया जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

केरल में लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी एक बार फिर चिंता का कारण बन गई है। साल 2025 में अब तक इस बीमारी के हजारों मामले सामने आ चुके हैं और सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। केंद्र सरकार ने संसद में इससे जुड़े ताजा आंकड़े साझा किए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में बताया कि 1 जनवरी से 5 दिसंबर 2025 के बीच केरल में लेप्टोस्पायरोसिस के 3259 पक्के मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 209 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने यह जानकारी एक सवाल के लिखित जवाब में दी। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, केरल के 14 जिलों में से तिरुवनंतपुरम में सबसे ज्यादा 583 मामले दर्ज किए गए हैं।